पौष शुक्ल पक्ष - 9, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 176 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

29 दिसंबर 2025 सोमवार

आज का मौसम

26.3 अधिकतम

5.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## न्यूज विंडो

### मेक्सिको में पटरी से उतरे ट्रेन के डिब्बे, 13 की मौत

**ओक्साका, एजेंसी।** मेक्सिको रेल हादसे में 13 लोगों की मौत और 98 लोगों के घायल होने की खबर है। राष्ट्रपति ने एक्स हैंडल पर लिखे पोस्ट में बताया कि नौसेना ने 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकारी राहत और बचाव कार्य एजेंसियों को मौके पर भेजा गया है। यह दुर्घटना उस महत्वाकांक्षी रेलवे प्रोजेक्ट पर हुई है जिसका उद्घाटन साल 2023 में पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर ने किया था।

### छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर ईडी की ताबड़तोड़ छापामारी

**रायपुर, एजेंसी।** आज प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर छापामारी की है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई रायपुर और विशाखापत्तनम के बीच भारतमाला प्रोजेक्ट सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई। सूत्रों के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी रायपुर और महासमुंद में कम से कम नौ ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है।

### हवा में टकराए हेलीकॉप्टर हादसे में पायलट की मौत

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के न्यू जर्सी में दो हेलीकॉप्टर हवा में ही टकरा गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। इस घटना को लेकर हैमोंटन पुलिस प्रमुख केविन फ्रील ने बताया कि बचाव दल सुबह करीब 11:25 बजे एक विमान दुर्घटना की रिपोर्ट मिलने पर मौके पर पहुंचे। इस घटनास्थल का वीडियो भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक हेलीकॉप्टर तेजी से जमीन की ओर घूमता हुआ दिख रहा है।

### मानस भवन के पीछे से नहीं हटाई जा सकीं झुग्गियां

**भोपाल।** भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित मानस भवन के पीछे बसे 27 झुग्गी परिवारों को आज सुबह हटाया जाना था। प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी थी, लेकिन कांग्रेस के विरोध के बाद आज की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। हालांकि, अधिकारी पुलिस बल की मौजूदगी नहीं होने की बात कह रहे हैं। शहर वृत एसडीएम दीपक पांडे ने बताया, पर्याप्त पुलिस बल की अनुपलब्धता के कारण आज कार्यवाही स्थगित की है, जल्दी ही की जायेगी। इस मुद्दे पर कांग्रेस भी मैदान में उतर गई हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बस्ती में पहुंचे और उन्हें कार्रवाई का विरोध जताया था।

### आज का कार्टून

**फैसले का दिन : विवादों में घिरे दो प्रकरणों में सर्वोच्च अदालत का स्टे**

# अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर रोक लगाई, जांच करेगी कमेटी

**नईदिल्ली, एजेंसी**

अरावली रेंज की 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली पहाड़ न मानने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले पर खुद संज्ञान लिया था। सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रकरण में गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई चीजों को स्पष्ट किए जाने की जरूरत है। इसी वजह से इस विषय को संज्ञान में लिया गया है। कोर्ट ने जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया और अगली सुनवाई के लिए 21 जनवरी की तारीख तय की है।

सीजेआई ने कहा कि 'अरावली हिल्स और रेंज की जांच एक हाई-पावर्ड कमिटी करेगी, जिसमें डोमेन एक्सपर्ट्स होंगे, ताकि हिल रेंज की स्ट्रक्चरल और इकोलॉजिकल इंटीग्रिटी को बचाया जा सके।' सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि कमिटी की सिफारिशें और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व में दिए आदेश पर रोक रहेगी।

#### नई जांच समिति बनाने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री की अरावली हिल्स और अरावली रेंज की परिभाषा को मानने के 20 नवंबर के फैसले को रोक दिया। पुराने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वीकार किया था कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ों को अरावली का हिस्सा

नहीं माना जाना चाहिए। इस परिभाषा को मानने से अरावली इलाके के ज्यादातर हिस्से में रेगुलेटेड माइनिंग एक्टिविटीज के लिए इस्तेमाल होने की आशंका सामने आई थी।

#### केंद्र और चार राज्यों को नोटिस

कोर्ट ने केंद्र और चार अरावली राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी किया है, और इस मुद्दे पर उनका जवाब मांगा है। अरावली पर्वत श्रंखला इन्हीं चार राज्यों में स्थित है। इस पर्वत श्रंखला का एक छोर गुजरात और दूसरा छोर दिल्ली में है। इसका बड़ा हिस्सा राजस्थान में है। हरियाणा में भी इस पर्वत श्रंखला का बड़ा हिस्सा है। अरावली के पर्वत हिमालय की तरह ज्यादा ऊंचे नहीं हैं, लेकिन कई तरह के वन्य जीव और पेड़ यहां पाए जाते हैं। यहां खनन शुरू होने पर इन वन्य जीवों और पेड़ों को खतरा हो सकता है।

## गैंगरेप और हत्या में जारी रहेगी कुलदीप सेंगर की सजा

**नईदिल्ली, एजेंसी**

उत्तर प्रदेश के उन्नाव रेप केस में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें आरोपी कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका लगा है। उसे दिल्ली हाई कोर्ट के जमानत देने के फैसले पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सुनवाई की शुरुआत में सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कोर्ट से कहा, यह एक बच्चे के साथ किया गया बेहद भयानक रेप है। सीबीआई ने दलील दी कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए सजा को रद्द करना गलत है। पीड़िता नाबालिग थी और मामला समाज को झकझोर देने वाला है। ऐसे मामलों में नरमी का गलत संदेश जाएगा। सीजेआई की पीठ ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए कहा, 'हम पाते हैं कि कानून के महत्वपूर्ण सवाल हैं, जिन पर विचार करने की जरूरत है। इस पर 14 दिन का नोटिस जारी की जाए।'

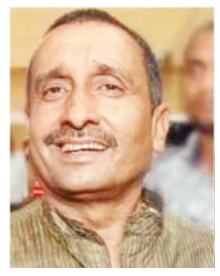

#### रेप पीड़िता पहुंची थी सीबीआई ऑफिस

इससे पहले सेंगर की जमानत के खिलाफ रेप पीड़ित दिल्ली में सीबीआई ऑफिस पहुंची थी। जहां उसने बेल के खिलाफ एप्लिकेशन दी। 23 दिसंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर को सशर्त जमानत दी थी। इसके बाद से ही विरोध प्रदर्शन हो रहा है। रेप पीड़ित, उसकी मां और एक्टिविस्ट योगिता भयाना ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ धरना दिया था जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

## उज्जैन जिले को आज विकास की सौगात

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज उज्जैन में 129 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन कर रहे हैं। इस मौके पर Utkarshujjain.com पोर्टल का अनावरण भी होगा। इसके साथ ही कौशल सेतु इंडस्ट्री लीड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम और प्रोजेक्ट स्वाध्याय (कोडिंग फॉर ऑल) की भी शुरुआत होने जा रही है। जिन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन हो रहा है उनमें कपिला गौशाला का संवर्धन और विकास, नानाखेड़ा चौराहा से शांति पैलेस तक एमआर-2 मार्ग चौड़ीकरण, सांदीपनि चौराहा से उदयन मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण और सेंट्रल डिवाइडर, राजस्व कॉलोनी मुख्य मार्ग चौड़ीकरण, पंवासा क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस कॉलोनी विकास कार्य शामिल हैं।

## उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइलों का परीक्षण

**सियोल।** दुनिया के प्रतिबंधों से बेखौफ और अमेरिका की धमकियों से बेफिक्र किम जोंग उन की सेना ने एक बार फिर क्रूज मिसाइलों का ताबड़तोड़ परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने देश की परमाणु निरोधक क्षमता का परीक्षण करने के लिए लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों को समुद्र में दागा।

**पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी का दिग्विजय पर हमला, कहा...**

## उन्होंने पार्टी की वैचारिक लड़ाई को कमजोर किया

**छतरपुर, एजेंसी**

कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी और कांग्रेस नेत्री निधि चतुर्वेदी ने दिग्विजय सिंह के आरएसएस संबंधी बयान को लेकर एक फेसबुक पोस्ट किया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से दिग्विजय सिंह पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। निधि ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह के बयान ने पार्टी की वैचारिक लड़ाई को कमजोर किया है। जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ा है।

निधि ने लिखा- दिग्विजय सिंह के हालिया बयान ने राहुल गांधी से लेकर उन तमाम जमीनी कार्यकर्ताओं के मुंह पर तमाचा मारा है, जो आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा के खिलाफ सड़क पर लड़ रहे हैं। एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता होने के नाते उनकी यह जिम्मेदारी बनती थी कि वे पार्टी के वैचारिक संघर्ष को धार देते, न कि विपक्षी खेमे का गुणगान कर अपने ही कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ते।सुर्खियों में बने रहने की उनकी इस ऊल-जलूल बयानबाजी ने आज हर सच्चे कांग्रेसी के आत्म-सम्मान को गहरी ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस को जितना नुकसान विपक्ष ने नहीं पहुंचाया, उतना दिग्विजय सिंह की अंदरूनी खींचतान और व्यक्ति-केंद्रित राजनीति ने पहुंचाया है।

**फ्लोरिडा में ट्रम्प से मिले यूक्रेनी प्रेसिडेंट**

## अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- हम जंग रोकने के बहुत करीब

### जेलेंस्की ने कहा- सुरक्षा गारंटी पर डील फाइनल

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि हम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए समझौते के काफी करीब पहुंच गए हैं। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के विवादित डोनबास क्षेत्र का भविष्य अभी भी एक बड़ा अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है। दोनों नेताओं ने फ्लोरिडा स्थित ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार को 3 घंटे लंबी बैठक की। ट्रम्प और जेलेंस्की ने यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और डोनबास क्षेत्र के बंटवारे पर प्रगति होने की बात कही, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं दी और न ही समझौते की कोई समय सीमा बताई। ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है। कुछ हफ्तों में यह पता चल जाएगा कि बातचीत सफल होगी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर समझौता हो गया है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि इस पर 95 फीसदी सहमति बन चुकी है और यूरोपीय देश इस प्रयास का बड़ा हिस्सा संभालेंगे, जिसमें अमेरिका का समर्थन होगा।

#### डोनबास इलाके को लेकर अब भी विवाद जारी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट करके सुरक्षा गारंटी पर प्रोग्रेस की पुष्टि की और कहा- 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' देश जनवरी की शुरुआत में पेरिस में मिलकर इस फैसले को अंतिम रूप देंगे। जेलेंस्की पहले कह चुके हैं कि वे अमेरिकी प्रस्ताव को नरम करना चाहते हैं। रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, जबकि यूक्रेन उसे नहीं छोड़ना चाहता। दोनों नेताओं ने कहा कि डोनबास का भविष्य अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन ट्रम्प के अनुसार चर्चा सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

## एयरलाइंस ने कहा- फ्लाइट स्टेटस देखकर निकलें यात्री

**नईदिल्ली, एजेंसी**

देश के कई इलाकों में मौसम खराब है और विजिबिलिटी बेहद कम है। इसके कारण देश के कई शहरों में आज हवाई और रेल यातायात पर असर पद रहा है। स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि कुछ स्थानों पर उड़ानों के संचालन में देरी या रद्द होने की संभावना है। ऐसे में यात्रियों को अपने घरों से निकलने से पहले विमान सेवाओं के बारे में जानकारी ले लेनी चाहिए। दिल्ली, अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, दरभंगा, पटना, हिंडन, रांची, गुवाहाटी और बागडोगरा में उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। इन जगहों पर विमानों के उड़ान भरने और पहुंचने दोनों में ही देरी हो सकती है। साथ ही इन फ्लाइट्स से जुड़ी आगे की कनेक्टिंग उड़ानों के भी प्रभावित होने की आशंका जताई है।

## आंध्र प्रदेश में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में लगी आग, एक की मौत

**टाटानगर, एजेंसी।** टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में कल देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घटना आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम से करीब 66 किलोमीटर दूर यलमंचिली के पास हुई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन की दो एसी बोगियां आग की चपेट में आ गई। रात करीब 12:45 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिस समय आग लगी, उस दौरान एक कोच में 82 और दूसरे कोच में 76 यात्री सवार थे। आग की चपेट में आए बी1 कोच से एक शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में हुई है।

**मेट्रो एंकर** कोट्टायम जिले में पिता को गलत ढंग से पद से हटाने का लिया बदला, निर्दलीय लड़कर जीतीं चुनाव

# देश की पहली Gen Z नगर पालिका अध्यक्ष बनीं 21 साल की दीया

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी**

निकाय अध्यक्ष चुनने के मामले में इस बार केरल के कोट्टायम जिले के पलई शहर ने इतिहास रच दिया। यहां 21 साल 335 दिन की दीया बिनु पुलिक्कंदम ने पलई नगरपालिका की अध्यक्ष के रूप में काम संभाला है। वह देश में सबसे कम उम्र की नगरपालिका अध्यक्ष मानी जा रही हैं । उनकी इस उपलब्धि को युवा शक्ति, दृढ़ता और राजनीतिक निरंतरता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

दीया पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बिनु पुलिक्कंदम की बेटी और पार्षद बीजू पुलिक्कंदम की भतीजी हैं। उनके पिता और चाचा दोनों ही पलई के अनुभवी नेता हैं। ख़ास बात यह है कि पुलिक्कंदम परिवार के तीनों सदस्यों ने हाल ही में हुए नगरपालिका चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की है। परिवार के लिए, दीया की जीत को राजनीतिक बदले के रूप में देखा जा रहा है। 2023 में, केरल कांग्रेस

अपने पिता और चाचा के साथ दीया बिनु पुलिक्कंदम

(एम) के नेता जोस के. मणि ने बिनु पुलिक्कंदम को बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। इससे उनके समर्थक नाराज़ थे और दो साल बाद, अध्यक्ष का पद परिवार में वापस आ गया। इस बार अगली पीढ़ी के माध्यम से। हालाँकि , परिवार के तीन स्वतंत्र उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के फैसले की शुरुआत में कड़ी आलोचना हुई, मजाक भी उड़ा। लेकिन , चुनावी नतीजों ने उनके पक्ष में कहानी को पलट दिया। अर्थशास्त्र में स्नातक दीया ने अपने पिता के आग्रह पर राजनीति में कदम रखा और बिना किसी हिचकिचाहट के चुनौती स्वीकार की।

#### गठबंधन से मिला पद

स्पष्ट विचारों और शांत आत्मविश्वास से भरपूर दीया के अभियान ने वार्ड 15 के मतदाताओं का दिल जीत लिया, जहां उन्होंने 131 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। एक ऐसे नगर पालिका में जहां किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, चुनाव के बाद बातचीत अपरिहार्य हो गई। किसी भी राजनीतिक मोर्चे या पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने पुलिककंडम मोर्चे से गठबंधन की बात की और अंततः यूडीएफ के सहयोग से दीया को अध्यक्ष बनाया गया ।

#### ग्रेजुएशन के बाद थी एमबीए की तैयारी

मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से बीए करने के बाद वे एमबीए की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जब मैंने चुनाव लड़ा था, तो मेरा लक्ष्य अपने वार्ड का विकास करना था। लेकिन अब, अध्यक्ष बनने के बाद, मुझ पर और भी जिम्मेदारियां हैं और मैं पूरे नगर पालिका क्षेत्र के प्रति समर्पित हूं। दीया बिनु के पिता पहले कांग्रेस नेता के रूप में नगर पालिका सदस्य बने, बाद में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते। 2015 में, उन्होंने भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की, जो पाला में भाजपा की पहली जीत थी।

# रविंद्र भवन परिसर में पसरी गंदगी

भोपाल का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान रखने वाला रविंद्र भवन परिसर इन दिनों कचरा और गंदगी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। जिस परिसर को कला, संस्कृति और साहित्य का केंद्र माना जाता है, वहीं आज चारों ओर फैली गंदगी विभागीय लापरवाही की कहानी बयान कर रही है। परिसर में जगह-जगह कचरे के ढेर, प्लास्टिक की बोतलें और गंदा कूड़ा फैला हुआ है। हालात इतने खराब हैं कि महान विभूतियों की मूर्तियों के आसपास भी गंदगी पड़ी हुई है, जो न सिर्फ असंवेदनशीलता को दर्शाता है बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति उदासीन रवैये को भी उजागर करता है। स्थानीय नागरिकों और यहां आने वाले कलाकारों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संस्कृति विभाग और संबंधित प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। नियमित सफाई न होने के कारण परिसर से दुर्गंध उठती है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले दर्शकों और कलाकारों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। शहर के बीचों-बीच स्थित इस महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्र की ऐसी दुर्दशा पर सवाल उठना लाजिमी है कि जिस विभाग पर संस्कृति के संरक्षण की जिम्मेदारी है, वहीं अपने परिसर को स्वच्छ रखने में विफल क्यों है?

# दूसरे राज्यों में भी जाएंगी एमपी की प्राइवेट बसें, संचालकों की मनमानी होगी खत्म

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मध्य प्रदेश के भीतर मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत अनुबंधित निजी बसों का संचालन प्रारंभ करने जा रही राज्य सरकार अब दूसरे राज्यों के लिए भी ऐसी ही बसें चलाएगी। यह भी तय किया गया है कि मध्य प्रदेश आने वाली दूसरे राज्यों के परिवहन निगम की बसें बंद नहीं होंगी। अभी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ की बसें मध्य प्रदेश के नजदीकी जिलों के बीच चलती हैं। राज्य राज्य परिवहन उपक्रम की अनुबंधित बसें चलने के बाद भी इनके रूट और समय में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

उपक्रम की अनुबंधित बसें छह राज्यों के लिए 389 मार्गों पर चलेंगी। ये मार्ग लगभग 20 वर्ष पहले तब निर्धारित हुए थे, जब मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें संचालित होती थीं। पहले से मार्ग निर्धारित होने की वजह से उपक्रम को अब रूट सर्वे नहीं कराना पड़ेगा। ऐसे में अनुबंध के बाद मार्च-अप्रैल से बसें संचालित करने की तैयारी है। प्रदेश के परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह की उपस्थिति में हाल ही में हुई एक बैठक में बसें चलाने का लेकर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। जिन रूटों पर बसें चलाने का निर्णय हुआ है, उनमें राजस्थान के 200, उत्तर प्रदेश के 69, महाराष्ट्र के 81, गुजरात के 30, उत्तराखंड के नौ और हरियाणा के तीन मार्ग सम्मिलित हैं।

## बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

मध्य प्रदेश परिवहन विभाग की परमिट लेकर निजी बसें अभी भी दूसरे राज्यों के लिए चल रही हैं, पर अब राज्य परिवहन उपक्रम इनसे अनुबंध कर अपने नियंत्रण में लेकर चलाएगी। इन बसों की निगरानी भी सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत संचालित बसों की तरह होगी। सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। बस संचालक न तो अतिरिक्त किराया वसूल सकेंगे न ही निर्धारित संख्या से अधिक यात्री बैठा पाएंगे।

## मध्यप्रदेश की सरकार भेजेगी उप्र सरकार को प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश तक मध्य प्रदेश की अनुबंधित बसें चलाने के लिए राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को प्रस्ताव भेजेगी। कारण, उत्तर प्रदेश के लिए मध्य प्रदेश परिवहन निगम के पुराने मार्गों पर परिवहन विभाग द्वारा निजी बसों को परमिट देने को लेकर वहां का परिवहन विभाग सुप्रीम कोर्ट गया था। कोर्ट ने दोनों राज्यों को आपस में सहमति बनाकर बसें चलाने के लिए कहा था।

## दोनों राज्यों के बीच हो चुकी है मीटिंग

इसे लेकर दोनों राज्यों के अधिकारियों की बीच एक बैठक हो चुकी है, जिसमें उत्तर प्रदेश परिवहन निगम निजी बसों को परमिट देने पर आपत्ति की है, पर सरकार से अनुबंधित बसें चलाने के संबंध में वह स्वीकृति देने को तैयार है। इसके लिए शीघ्र ही मध्य प्रदेश परिवहन विभाग की तरफ से उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

### वित्त विभाग ने अपनी वेबसाइट को एआई से जोड़ा

# कर्मचारी से जुड़े नियम-सर्कुलर के बारे में अब तुरंत मिलेगा जवाब

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

कर्मचारियों और अधिकारियों के फायदे, भत्ते, सुविधाएं, टीए-डीए, मेडिकल अलाउंस, इंक्रीमेंट और इंक्रीमेंट से जुड़े दंड के कौन-कौन से सर्कुलर अभी तक निकले हैं, इसकी जानकारी अब वित्त विभाग सवालों के जवाब के रूप में देने जा रहा है। यानि वित्त विभाग की साइट पर एक ऐसा चैट-बोर्ड विकसित किया गया है, जिसमें कर्मचारी या अधिकारी कोई भी सवाल डालेंगे तो उसका कस्टमाइज (जरूरत के मुताबिक अनुकूल उत्तर) जवाब तुरंत मिलेगा। इसका उपयोग वह अपने आवेदन में रिफरेंस के साथ कर सकेगा। आम जनता भी बजट या किसी सर्कुलर से संबंधित जानकारी चैट-बोर्ड के माध्यम से चाहेगी तो उसे वह भी तुरंत मिलेगा। इसके अलावा बजट एंट्री मैनेजमेंट सिस्टम (बीईएमएस) पोर्टल में डैश-बोर्ड की तमाम ताजा जानकारी भी अपडेट होगी। वित्त विभाग की वेबसाइट में हुए इस नए बदलाव को बताने के लिए पहली बैठक सोमवार को होने जा रही है। इसमें सभी विभागों के अपर सचिव, उप सचिव और अवर सचिव को बुलाया गया है। ये वो लोग हैं, जो विभागों के प्रमुख व सीनियर की सहमति के बाद बजट की डिमांड को तैयार करते हैं। वित्त विभाग के अधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि नई वेबसाइट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से युक्त होगी। यह सर्च इंजन की तरह काम भी करेगी। इसे ऐसे डिजाइन किया है, ताकि विभाग बजट को लेकर अपनी डिमांड ऑनलाइन अपलोड भी करते हैं तो वह अपने आप सेट प्रोफार्मा में चली जाए। इस बार वित्त विभाग 2026-27 के बजट व 2027-28 व 2028-29 के रोलिंग बजट की तैयारी कर रहा है। साइट को कर्मचारियों-अधिकारियों के साथ आम जनता से जोड़ा जा रहा है।

**अब तेजी से होंगे विभाग के फैसले:**

नए सिस्टम के बाद विभागों में वित्त विभाग के नियमों को समझने और उसे लागू करने में जो दिक्कतें होती थीं, वह नहीं होगी। सभी फैसले जल्द से जल्द होंगे। विभाग किसी भी नियम से जुड़ी जानकारी चैट-बोर्ड से मांगे, वह उसे फार्मेट में मिल जाएगी। वेबसाइट में नए फीचर्स भी जोड़े जा रहे हैं।

# सब जूनियर राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में बालक भोपाल चैंपियन

**भोपाल।** 38वी सब जूनियर राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता शाजापुर में आयोजित हुई जिसमें भोपाल जिले बालक टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश में भोपाल जिले का नाम गौरवान्वित किया। भोपाल बालक टीम ने पहले मैच में विदिशा को 10 रन से पराजित किया, क्वार्टर फाइनल में शाजापुर को 1 रन के मुकाबले 3 रन से जीत अर्जित की, सेमी फाइनल में टीकमगढ़ को 2 रन के मुकाबले 7 रन से जीत अर्जित की, फाइनल में इंदौर टीम को 3 रन के मुकाबले 4 रन से जीत अर्जित कर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया। भोपाल टीम के कोच लोकेश यादव व राजवीर सिंह के नेतृत्व में भोपाल। टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर अपना परचम लहराया। इस प्रतियोगिता में साहिल पासवान को बेस्ट पिचर, शुभम सेन को बेस्ट हिटर, और बालिका वर्ग में संजना मांगरोल को बेस्ट प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट घोषित किया गया। इस अवसर पर जिला सॉफ्टबॉल संघ भोपाल के सचिव दिनेश कुमार टेलर जी एवं सभी भोपाल के सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों ने बालक टीम को बधाई दी और शुभकामनाएं दी।

### मध्यप्रदेश लेखक संघ के साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन

# साहित्यकार ही सृष्टि का निर्माता : शर्मा

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश लेखक संघ के साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह के अध्यक्ष पूर्व सांसद रघुनन्दन शर्मा ने कहा कि साहित्यकार ही सृष्टि का निर्माता है. सृष्टि की रचना से आज तक साहित्यकारों की सनातन परंपरा विद्यमान है। साहित्य ही समाज और राष्ट्र का दिग्दर्शक है। साहित्य समाज को रस देता है और विभिन्न रस मन और देह को आह्लादित करते हैं। आयोजन के मुख्य अतिथि रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि आज समाज के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता की है, जिससे केवल साहित्यकार ही रक्षा कर सकता है। उन्होंने तकनीक के प्रयोग पर बल देते हुए लेखकों से अनुरोध किया कि भाषा पर विशेष ध्यान दें। लोकोक्तियों और मुहावरों के प्रयोग से भाषा को समृद्ध बनाया जा सकता है। सारस्वत अतिथि विकास दवे ने मध्यप्रदेश लेखक संघ की इस बात के लिये सराहना की कि उसने प्रदेश स्तर पर साहित्यकारों को जोड़कर आंचलिक भाषाओं और साहित्य की विभिन्न विधाओं के लेखकों को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। उन्होंने लेखकों को आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय एकता के लिए राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरुद्ध जन चेतना जाग्रत करें । इस अवसर पर अतिथियों द्वारा संघ की स्मारिका और अर्पित साहू द्वारा निर्मित संघ की वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। समारोह में पं. बटुक चतुर्वेदी अक्षर आदित्य सम्मान से डॉ. गंगा प्रसाद गुप्त बरसैंया, सारस्वत सम्मान से महेश सक्सेना, प्रमोद शिरढोणकर स्मृति राष्ट्र प्रेरणा सम्मान से शशिकांत यादव, राधेश्याम द्विवेदी पौराणिक नाटक सम्मान से अरुण अपेक्षित, डॉ. सरोजिनी कुलश्रेष्ठ कहानी सम्मान से नीता श्रीवास्तव, हरिशंकर तिवारी यात्रा वृतान्त सम्मान से डॉ. विनय राजा षडंगी राजाराम, सरदार दिलजीत सिंह रील व्यंग्य सम्मान से डॉ. साधना बलवटे तथा अन्य सम्मानों से श्याम सुन्दर तिवारी, डॉ. मीनू पाण्डेय, हरिकृष्ण 'हरि', विनोद कुमार जैन, प्रभु त्रिवेदी, दिनेश पाठक, दिनेश प्रभात, डॉ. नीलिमा रंजन, प्रो. गोविन्द पांडेय, डॉ. प्रतिभा द्विवेदी, सुरेश पबरा आकाश, प्रवीण अत्रे, राकेश रागी, राज चौकसे को अलंकृत कर सम्मानित किया गया।

### न्यू इयर के चलते पुलिस एक्स्ट्रा अलर्ट

# फील्ड अफसर सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था को लीड करें

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

नए साल के मद्देनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द पर पुलिस को एक्स्ट्रा अलर्ट रहना होगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी पुलिस अधीक्षकों को पूरे प्रदेश में आज रात से 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने पहलगाम घटना तथा ऑपरेशन 'सिंदूर' के मद्देनजर मॉल, बाजार, होटल, रिसॉर्ट, पिकनिक स्पॉट (नदी, बांध, झील) और मंदिरों में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात करने के लिए कहा है।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं स?कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को लीड करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहनी चाहिए।

शराब पीकर वाहन चलाने , तेज रफ्तार ड्राइविंग, छेड़खानी और महिलाओं के साथ होने वाली अभद्रता को रोकने के लिए पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। सूचीबद्ध गुंडा-बदमाशों और अशांति फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति पर काम किया जाए। उन्होंने वीवीआईपी, वीआईपी सुरक्षा सहित सभी मोर्चों पर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी मकवाणा ने जिलों में होने वाली किसी भी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी तत्काल पुलिस मुख्यालय को साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही विशेष शाखा द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए ।

गत वर्ष पुलिस अधिकारियों एवं मैदानी बल की सक्रियता से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर अभूतपूर्व नियंत्रण रहा था। इसी क्रम को जारी रखते हुए डीजीपी ने तय किया है कि इस वर्ष भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस पूर्ण मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी। मध्यप्रदेश पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि नववर्ष सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बनाए रखें, और जागरुक रहकर दूसरों को भी जागरुक करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या डायल-112 पर दें।

**मेट्रो एंकर**

### नाटक शिव सती की करुण गाथा का दुष्यंत संग्रहालय में मंचन

# सती के त्याग और शिव के विलाप को कलाकारों ने मंच पर किया जीवंत

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

दुष्यंत संग्रहालय में नाटक एक कंठ विषपायी में शिव और सती की करुण गाथा प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति का निर्देशन रीवा मध्य प्रदेश में जन्मे रंगकर्मी आनंद मिश्रा द्वारा किया गया। नाटक की एक विशेष बात यह रही कि दक्ष की भूमिका स्वयं निर्देशक ने निभाई। मंच पर उनका अभिनय दर्शकों को खूब पसंद आया। उन्होंने बताया कि दक्ष के अहंकार और आंतरिक द्वंद्व को समझने के लिए उन्होंने पुराण कथाओं के अध्ययन के साथ शारीरिक मुद्राओं और स्वर पर विशेष अभ्यास किया। लंबे रिहर्सल के जरिए उन्होंने पात्र के क्रूर और आत्ममुग्ध स्वभाव को आत्मसात किया। ताकि मंच पर वह विश्वसनीय लगे। कुल मिलाकर यह प्रस्तुति कलाकारों की मेहनत और निर्देशक की स्पष्ट दृष्टि का परिणाम रही। दर्शकों ने नाटक को गंभीरता से देखा और अंत में तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। नाटक की प्रस्तुति में भाव, अभिनय, सधे हुए संवाद और प्रतीकात्मक दृश्य संयोजन ने दर्शकों को बांधे रखा। मंच पर कलाकारों की एकाग्रता और अनुशासन साफ दिखाई दिया, जिससे पूरी कथा प्रभाव के साथ उभरकर सामने आई। नाटक में दक्ष के यज्ञ और शिव के अपमान की कथा को केंद्र में रखते हुए परंपराओं और रूढ़ियों पर भी सवाल खड़े किए गए। एक ओर सती के त्याग और शिव के विलाप को कलाकारों ने गहरी संवेदना के साथ मंच पर जीवंत किया। वहीं दूसरी ओर समूह दृश्यों में कलाकारों की लय और तालमेल के साथ संवाद बेहतरीन रहा।

### मप्र में निजी स्कूलों की तर्ज पर चमकेंगे सरकारी स्कूल

# सत्र 2026-27 में शुरू होंगी प्री प्राइमरी कक्षाएं

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश सरकार सत्र 2026-27 में प्रदेश के लगभग 4500 प्राथमिक विद्यालयों में बाल वाटिका (प्री-प्राइमरी कक्षाएं) शुरू करने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन से छह वर्ष के बच्चों को औपचारिक स्कूली शिक्षा से पहले खेल-खेल में सीखने का माहौल प्रदान करना है। इन वाटिकाओं में बच्चों के लिए रंग-बिरंगे क्लासरूम, खिलौने और विशेष रूप से तैयार किया गया पाठ्यक्रम होगा।

यह निजी प्ले स्कूल की तर्ज पर सांदीपनि विद्यालय खुलेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मप्र के स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक संख्या में बाल वाटिकाएं शुरू करने का सुझाव दिया था। अगले सत्र में स्कूल शिक्षा विभाग इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

बता दें, कि शासन की ओर से करीब 24 हजार आंगनबाड़ियों को प्ले स्कूल के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी है। प्रदेश में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूती प्रदान करने और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह पहल की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने क्षिप्रा जिला इंदौर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

### नए साल में इंदौर, जबलपुर व बालाघाट में शुरु होंगे बायो सीएनजी गैस प्लांट

# कमाई का जरिया बनेगा खेतों में बचा हुआ अपशिष्ट पराली और मक्के के वेस्ट से तैयार होगी बायो सीएनजी

» कृषि अपशिष्ट को 'कंचन' में तब्दील कर पर्यावरण की सुरक्षा कर रहे उद्यमी

» खंडवा में मक्के के वेस्ट से तैयार होगी बायोसीएनजी गैस, जल्द शुरु होगी यूनिट

**इंदौर, दोपहर मेट्रो**

स्वच्छता में नंबर 1 इंदौर शहर ने जहां कचरे को कंचन में तब्दील कर एक नई मिसाल पेश की। वहीं प्रदेश के किसानों के सिरदर्द व पर्यावरण की सेहत को खराब करने के लिए खेतों में जलाए जाने वाले कृषि अपशिष्ट पराली को भी उद्यमी कंचन यानि कमाई में तब्दील करेंगे। भोपाल व सतना में नरवई से बायो सीएनजी गैस बनाने के प्लांट शुरु हो गए है।

नए साल में इंदौर, जबलपुर व बालाघाट में इसके प्लांट शुरु होंगे। वहीं खंडवा जिले में भी एक कंपनी ने इस तरह का प्लांट लगाने की तैयारी शुरु कर दी है। इस तरह अभी जहां खेतों में नरवाई जलाने पर किसानों को जहां जुर्माना लग रहा है। अब उस नरवाई को बायोसीएनजी गैस बनाने वाली कंपनियों को बेचकर किसान न सिर्फ अपनी परेशानी को खत्म कर पाएंगे बल्कि उसके बदले में उनकी कमाई भी होगी।

## अगले दो साल में तैयार होगा 24 टन क्षमता का प्लांट

किसानों के लिए नरवाई व मक्के का वेस्ट अब परेशानी का सबब नहीं रहेगा। खंडवा के भावसिंहपुरा में कर्नाटक के उद्यमी द्वारा मक्के के वेस्ट से बायोसीएनजी गैस, बायो पैलेट और तरल खाद्य बनाने का प्लांट लगाया जाएगा। निमाड़ ग्रीन एनर्जी प्रा. लि. कंपनी नहीं यहां पर 25 एकड़ जमीन पर 183.25 करोड़ की लागत से 24 टन प्रतिदिन क्षमता का ग्रीन वेस्ट से बायो सीएनजी बनाने वाला प्लांट अगले डेढ़ से दो साल में तैयार करेगी। ग्वालियर में हाल ही में आयोजित अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट में कंपनी द्वारा इस प्लांट के निर्माण के लिए वर्चुअल भूमिपूजन भी हुआ। इस प्लांट के बनने का सबसे बड़ा फायदा खंडवा के अलावा खरगोन व बुरहानपुर के किसानों को मिलेगा। यहां के किसान मक्के, गन्ने व केले के वेस्ट को बायो सीएनजी बनाने के लिए कंपनी को दे सकेंगे। इस तरह किसानों के लिए ग्रीन वेस्ट कचरे का सिरदर्द न सिर्फ कम होगा बल्कि इस वेस्ट को कंपनी को ढाई से पांच रुपये प्रतिकिलो में किसानों से खरीदेगी। इससे किसानों को भी वेस्ट से कमाई होगी। कंपनी अडानी व गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया को इस प्लांट से तैयार होने वाली गैस बेचेगी।

### खंडवा में पैदावार से ढाई से तीन गुना एकत्र होता है ग्रीन वेस्ट

खंडवा जिले में वर्ष भर में 10 लाख टन मक्के की पैदावार होती है। इस पैदावार के मुकाबले ढाई से तीन गुना कृषि वेस्ट प्रतिवर्ष निकलता है। अभी तक इसका उपयोग जानवरों के भोजन, खाद बनाने व उद्योगों में जलाने के लिए किया जाता है। कंपनी का अनुमान है कि उन्हें अपने प्लांट के संचालन के लिए 150 टन बायो वेस्ट की जरुरत होगी और यह आसानी से खंडवा में मिल जाएगा।

## पहले फेज में 6 टन व दूसरे फेज में 25 टन क्षमता का कारखाना

कंपनी द्वारा भावसिंहपुरा में पहले फेज में 6 टन क्षमता का प्लांट अगले एक साल में लगाएगी। दूसरे फेज में प्लांट की क्षमता 25 टन की जाएगी, इसे अगले दो साल में तैयार किया जाएगा। कंपनी द्वारा खंडवा के अलावा खरगोन जिले के मक्के के वेस्ट के शुगर मिलों से मिलने वाला गन्ने का वेस्ट भी बायोसीएनजी बनाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा बुरहानपुर से केले के वेस्ट भी उपयोग किया जाएगा।

**डकाच्या में जनवरी में शुरु होगा रिलायंस का प्लांट**– इंदौर से 40 किलोमीटर दूर डकाच्या में रिलायंस बायो एनर्जी लि. कंपनी द्वारा नरवाई से बायोसीएनजी गैस बनाने का प्लांट नए साल के शुरुआत में शुरु होगा। इस प्लांट का भूमिपूजन दिसंबर 2023 में हुआ था। यहां पर प्रतिदिन 400 टन कृषि उपशिष्ट का उपयोग कर 20 टन प्रतिदिन बायो सीएनजी गैस तैयार की जाएगी।

### इंदौर में हर माह तैयार हो रही 630 टन बायो सीएनजी गैस

इंदौर में एवर इन्वायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्रा. लि. द्वारा तीन साल पहले गीले कचरे से बायो सीएनजी का प्लांट तैयार किया गया था। इस प्लांट से फिलहाल एक माह में 630 टन गैस तैयार हो रही है। इस गैस का इस्तेमाल बसों में ईंधन के रुप में किया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 50 फीसद गैस दे रही है और 50 फीसद गैस गुजरात गैस कंपनी, नवेरिया गैस, टाटा, एलएंडटी कंपनी को दे रही है। कमलेश सेठी ने बताया कि कृषि अपशिष्ट से बायो सीएनजी, बायो पैलेट, तरल खाद बनाने का संयत्र अगले दो साल में तैयार कर लेगी। कंपनी द्वारा इस प्लांट के माध्यम से 250 लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

### सवालों के घेरे में एमपीपीएससी...

# सहायक प्राध्यापक-2025 के लिए जारी एडमिट कार्ड में चूक, आयोग ने बंद की लिंक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एक बार फिर अपनी कार्यप्रणाली को लेकर आलोचनाओं के घेरे में आ गया है। कम्प्यूटर विज्ञान परीक्षा-2025 के लिए शुक्रवार शाम जारी किए गए एडमिट कार्ड में गंभीर त्रुटि सामने आने के बाद आयोग को लिंक बंद करनी पड़ी। हालांकि आयोग ने गलती स्वीकार करते हुए संशोधित एडमिट कार्ड जारी करने का भरोसा दिया, लेकिन देर शाम तक अभ्यर्थियों को नया प्रवेश पत्र उपलब्ध नहीं कराया जा सका। परीक्षा की तारीख नजदीक होने के कारण उम्मीदवारों की चिंता बढ़ती जा रही है।

### एडमिट कार्ड में बड़ी चूक

शुक्रवार को जारी किए गए एडमिट कार्ड के निर्देशों में परीक्षा पैटर्न से जुड़ी बड़ी गलती सामने आई। इसमें निगेटिव मार्किंग का उल्लेख कर दिया गया था। निर्देशों के अनुसार एक गलत उत्तर पर एक अंक काटे जाने और सही उत्तर पर तीन अंक मिलने की बात लिखी गई थी, जबकि सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का कोई प्रावधान नहीं है। इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होता है। इस विरोधाभास ने अभ्यर्थियों को भ्रमित कर दिया।

### आयोग ने स्वीकार की त्रुटि

एमपीपीएससी ने सूचना जारी कर माना कि प्रवेश पत्र के निर्देशों में बिंदु क्रमांक-03 के तहत ऋणात्मक मूल्यांकन का उल्लेख त्रुटिवश हो गया है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि संशोधित लिंक जारी होने के बाद सभी अभ्यर्थी नया एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। जिन्होंने पहले प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिया है, वे भी दोबारा संशोधित एडमिट कार्ड प्राप्त कर पाएंगे।

### परीक्षा नजदीक होने से बढ़ी चिंता

सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस परीक्षा 4 जनवरी 2026 को दो सत्रों में आयोजित की जानी है। परीक्षा में अब कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में एडमिट कार्ड को लेकर बनी अनिश्चितता से अभ्यर्थियों की परेशानी बढ़ गई है। संभावित परीक्षा शहर इंदौर बताए जाने के बावजूद आधिकारिक पुष्टि न होने से उम्मीदवारों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बार-बार तकनीकी और प्रक्रियागत त्रुटियों के चलते एमपीपीएससी की पारदर्शिता और कार्यशैली पर सवाल उठते रहे हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि आयोग जल्द से जल्द संशोधित एडमिट कार्ड जारी कर स्पष्ट जानकारी दे, ताकि परीक्षा की तैयारी पर इसका नकारात्मक असर न पड़े।

### 45 लाख का प्रस्ताव फाइलों में अटका

# बदहाली का शिकार हुआ वल्लभ भवन का झूलाघर, बच्चों के खेलने की जगह भी नहीं

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सरकारी दफ्तरों में कामकाज के साथ मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने वाली महिलाओं के लिए बना 'झूलाघर' अब खुद अपनी बदहाली पर रो रहा है। प्रदेश के प्रशासनिक केंद्र, वल्लभ भवन (मंत्रालय) में संचालित यह झूलाघर किसी आधुनिक केंद्र के बजाय एक बंद कमरे में नजर आता है। प्रशासन के बड़े-बड़े दावों के बीच सच्चाई यह है कि बच्चों का खिलखिलाता बचपन अब एक संकरे और बंद कमरे में सिमटकर रह गया है।

**खुले आसमान से चार दीवारी तक का सफर**– कभी खुले परिसर में संचालित होने वाला यह झूलाघर बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास का केंद्र था। लेकिन व्यवस्था सुधारने के नाम पर इसे एक छोटे से कमरे में शिफ्ट कर दिया गया। यहां न बच्चों के दौड़ने-खेलने की जगह है और न ही तरोताजा करने वाली हवा का कोई इंतजाम।

एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने नए और सर्वसुविधायुक्त झूलाघर के निर्माण के लिए 45 लाख रुपये का बजट प्रस्तावित किया था। यह प्रस्ताव पिछले कई सालों से मंत्रालय की फाइलों में धूल खा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की सुस्ती पर सवाल यह उठता है कि क्या बच्चों की सुरक्षा और उनके विकास से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर वित्त विभाग की मंजूरी का इंतजार 6 साल लंबा होना चाहिए?

### बोलने से बच रहे अधिकारी

वहीं एक बाल रोग विशेषज्ञ का कहना है कि बच्चों को लंबे समय तक बंद और सीमित वातावरण में रखना उनके व्यवहार में परिवर्तन ला सकता है। वहीं महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील सोलंकी ने बात करने से मना कर दिया।

### सीएम राइज स्कूल की बड़ी लापरवाही आई सामने

# वॉशरूम गए केंद्रीय मंत्री तो मिला किताबों का ढेर

**भोपाल/टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो**

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने निवाड़ी जिले के असाटी गांव स्थित सीएम राइज शासकीय मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल में भारी अनियमितता सामने आने पर मंत्री का कड़ा रुख देखने को मिला। छात्रों को वितरित की जाने वाली पाठ्यपुस्तकें एक कमरे में भरी पड़ी मिलीं, जिन्हें देखकर केंद्रीय मंत्री चौंक गए और गहरी नाराजगी जताई। मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री बाथरूम के लिए उतरे थे। लेकिन यहां स्कूल में किताबों का ढेर देखकर वो काफी नाराज दिखें।

निरीक्षण के समय जब डॉ. खटीक ने पुस्तकों को उठाकर देखा तो पता चला कि ये किताबें शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पहले ही भेजी जा चुकी थीं। बावजूद इसके, स्कूल में पदस्थ शिक्षकों और जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा अब तक इन पुस्तकों का वितरण छात्र-छात्राओं को नहीं किया गया था। इस लापरवाही के कारण बच्चों की पढ़ाई सीधे तौर पर प्रभावित हो रही थी। केंद्रीय मंत्री ने इसे शिक्षा व्यवस्था के प्रति गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### लापरवाही स्वीकार्य नहीं है

डॉ. वीरेंद्र खटीक ने मौके पर ही संबंधित शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे मामले की तत्काल जांच की जाए और दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही स्वीकार्य नहीं है और सरकार की मंशा है कि हर बच्चे तक समय पर पाठ्यसामग्री पहुंचे।

### सख्त तेवरों के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप

मंत्री के इस औचक निरीक्षण और सख्त तेवरों के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। अब देखना होगा कि जांच के बाद दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी लापरवाही पर सरकार अब किसी भी कीमत पर नरमी बरतने के मूड में नहीं है।

### नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की सभी तैयारियां पूर्ण

**भोपाल।** राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने बताया है कि नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उप निर्वाचन के लिए मतदान 29 दिसंबर को होगा। सचिन राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 31 दिसम्बर को सुबह 9 बजे से होगी। पंचायतों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 2 जनवरी को सुबह 8 बजे से होगी।

**मेट्रो एंकर**

### जंगल में नए साल का जश्न, दस दिन देसी-विदेशी पर्यटकों से गुलजार एमपी के टाइगर रिजर्व

# संजय दुबरी में पर्यटकों की संख्या 75 प्रतिशत बढ़ी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत को जश्न से यादगार बनाने के लिए प्रदेश के टाइगर रिजर्वों में पर्यटक पहुंचने लगे हैं। न सिर्फ देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों ने भी होटलों में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। कुछ लोग तो बिना सफारी बुक कराए ही आ गए हैं और उनका उद्देश्य सफारी करना है भी नहीं है। वह सिर्फ नए वर्ष के जश्न को यादगार बनाना चाहते हैं, इसलिए होटल में होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

**साठ हजार से ज्यादा पर्यटक मनाएंगे जश्न**

छह पुराने टाइगर रिजर्व में अगले पांच दिनों के अंदर सिर्फ कोर जोन में 17 हजार 640 पर्यटक बाघों का दीदार करेंगे, जबकि इससे ज्यादा संख्या में पर्यटक बफर जोन में प्रवेश करेंगे। लगभग इतने ही पर्यटक बिना सफारी

किए रिसोर्ट में जश्न मनाएंगे। पांच दिनों में बांधवगढ़ के कोर जोन में 4410, कान्हा में 5340, संजय धुबरी में 600, पन्ना में 2550, पेंच में 2970, सतपुड़ा में 1740 पर्यटक बाघ का दीदार करेंगे।

**लुभा रहा है आदिवासी डांस**– रिसोर्ट मैनेजर विजय पनवार ने बताया कि नव वर्ष के स्वागत के लिए पहुंचे पर्यटकों की वजह से उल्लास का माहौल है। कान्हा और बांधवगढ़ में आदिवासी लोक कला की थीम पर पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है। कान्हा में डिंडौरी के कई आदिवासी नर्तक दल अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जबकि बांधवगढ़ में उमरिया के साथ अनूपपुर जिले के नर्तक दल समा बांध रहे हैं।

पेंच के रिसोर्ट में सेलिब्रेशन के लिए सेलिब्रिटी को बुलाया जा रहा है।

**दो जनवरी तक बुकिंग फुल**– संजय टाइगर रिजर्व साल के अंतिम दिनों में पर्यटकों से फुल है। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष दिसंबर माह में पर्यटकों की संख्या 75 प्रतिशत अधिक है। दो जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग फुल हो चुकी है। टाइगर रिजर्व में माह दिसंबर मे 475 बुकिंग हुई है। जिसमें 31 दिसंबर तक की एडवांस बुकिंग शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष 300 बुकिंग हुई थी। गत वर्ष दिसंबर माह में एक हजार पर्यटक आए थे, इस वर्ष 1800 पर्यटक आ चुके हैं। रिसोर्ट मैनेजर के मुताबिक प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में प्रतिदिन के हिसाब से टिकटों की संख्या निर्धारित है। जबकि विशेष अवसरों पर यह संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

### टाइगर रिजर्वों की स्थिति

**बांधवगढ़** – सुबह कोर में 75, बफर में 60 टिकट, शाम को कोर में 72, बफर में 60 टिकट ही उपलब्ध हैं।

**कान्हा** – सुबह कोर 100, बफर अनलिमिटेड, शाम कोर 78, बफर अनलिमिटेड टिकट की व्यवस्था।

**पन्ना** – सुबह कोर 50, बफर अनलिमिटेड, शाम कोर 35, बफर अनलिमिटेड टिकट।

**पेंच** – सुबह कोर 50 बफर अनलिमिटेड, शाम कोर 49, बफर अनलिमिटेड।

**सीधी** – कोर में कुल 20 टिकट प्रतिदिन है, जबकि बफर के लिए अनलिमिटेड।

**सतपुड़ा** – कोर में 30, बफर में 28 टिकट ही उपलब्ध हैं, यहां पचमढ़ी के लिए अनलिमिटेड।

## मैं चीनी नहीं भारतीय हूं...

मैं भारतीय हूं' ... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।

**आपत्तिजनक कमेंट :** 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर MBA की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं।

**नस्लीय सोच :** इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं।

**देश में मुश्किल :** इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78% लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है।

दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

**नस्लभेदी कानून :** ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र Nido Tania को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई - वहां से अभी तक, क्या कोई बदलाव आया है? एंजेल की मौत के बाद कई संगठनों ने नस्लवाद विरोधी कानून की मांग की है, जो बिल्कुल सही है।

**सख्ती जरूरी :** नस्लवाद देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि जब भी भारत के किसी शहर में किसी एंजेल के साथ भेदभाव किया जाता है, तो उससे एक बड़े वर्ग की भावनाओं को चोट पहुंचती है। देश को ऐसा कानून चाहिए, जो इन मामलों में आरोपियों के प्रति सख्ती और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाए।

# नए साल 2026 में भारत का चेहरा अधिक चमकने का विश्वास

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

सामान्यतः लोग बीते कल यानी गुजर रहे साल की समीक्षा करते हैं । उससे सबक मिले हैं , लेकिन मुझे हमेशा लगा है कि आगे के रास्ते , चुनौतियों और क्षमताओं पर ध्यान देना चाहिए । ' बीती ताहि बिसार दे , आगे की सुधि ले ' इस सिद्धांत पर नए साल के बारे में विचार किया जाए । भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। 2026 तक आते-आते यह स्पष्ट होगा कि क्या भारत अपनी तेज़ आर्थिक वृद्धि को सामाजिक संतुलन, राजनीतिक स्थिरता और आंतरिक सुरक्षा के साथ जोड़ पाया है या नहीं।यदि विकास, लोकतंत्र और सुरक्षा एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तो भारत न केवल अपने नागरिकों के लिए बेहतर भविष्य बना पाएगा, बल्कि 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में भी उभरेगा।आज भारत केवल एक विकासशील देश नहीं, बल्कि वैश्विक नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदार है। जी 20 , क्वाड, ब्रिक्स संगठनों में वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में भारत की भूमिका बढ़ी है।

आंतरिक सुरक्षा की लड़ाई केवल हथियारों की लड़ाई नहीं है – यह एक सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक पुनर्निर्माण का लक्ष्य भी है। चाहे वह नक्सलवाद हो या कश्मीर में आतंकवाद, दोनों में सफलता केवल हिंसा पर नियंत्रण से नहीं बल्कि स्थिरता, विकास और बेहतर सामाजिक समावेशन से नापी जायेगी। यही वह आधार है जिस पर भारत 2026 के लक्ष्य और उससे आगे की यात्रा को मापेगा। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ विकास, राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा–तीनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। आज का भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, बल्कि एक उभरती वैश्विक शक्ति, एक तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और एक राजनीतिक रूप से सक्रिय लोकतंत्र भी है। वर्ष 2026 भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समय सरकार की कई दीर्घकालिक नीतियों, आंतरिक सुरक्षा लक्ष्यों और राजनीतिक रणनीतियों की परीक्षा का वर्ष है। पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय विस्तार किया है। आज भारत विश्व की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में इसे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। बुनियादी ढाँचा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्ट-अप संस्कृति और घरेलू विनिर्माण ( मेक इन इंडिया ) इस विकास के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। सड़कें, एक्सप्रेसवे, रेलवे आधुनिकीकरण, बंदरगाह और हवाई अड्डे–इन सबने भारत की आंतरिक कनेक्टिविटी और निवेश आकर्षण को मजबूत किया है। डिजिटल भुगतान प्रणाली, आधार-जनधन-मोबाइल , ट्रिनिटी और सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण भारत की विकास कहानी को अलग पहचान देता है।प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के लक्ष्य से कहीं डगमग नहीं हो रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, आपूर्ति-श्रृंखला में भरोसेमंद भागीदार की छवि और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे का मॉडल–ये सब भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत करते हैं।नक्सलवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर नियंत्रण भारत को एक स्थिर निवेश गंतव्य और भरोसेमंद शक्ति बनाता है। वैश्विक मंच पर किसी देश की ताकत केवल सैन्य या आर्थिक नहीं होती, बल्कि उसकी आंतरिक एकजुटता और शासन क्षमता से भी तय होती है।

भारत की सुरक्षा नीति में अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक नक्सलवाद और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई देश के आंतरिक सुरक्षा एजेंडा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने लगातार दोबारा दोहराया है कि 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त कर दिया जाएगा, जबकि कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार है। इन दोनों बड़ी चुनौतियों का प्रभाव न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा पर है बल्कि चुनावों, राज्यों की राजनीति और भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी गहरा असर डालेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त होना चाहिए ताकि कोई नागरिक नक्सलवाद के कारण अपनी जान न खोये। इस लक्ष्य का ऐलान किसी आकस्मिक घोषणा की तरह नहीं किया गया, बल्कि मोदी सरकार की आंतरिक सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बताया गया है जिसमें सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई, स्थानीय समुदायों के साथ संवाद, और विकास के कार्यक्रम शामिल हैं। आंतरिक सुरक्षा में नक्सलवाद लंबे समय तक सबसे बड़ी चुनौती रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकार का दावा है कि यह समस्या अब अंतिम चरण में है और 2026 तक इसका निर्णायक समाधान हो सकता है।नक्सलवाद की समस्या कई दशकों से चली आ रही है, विशेषकर पूर्वोत्तर तथा मध्य और दक्षिण भारत के संवेदनशील जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में घटनाओं में कमी देखने को मिली है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार नक्सलवाद प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर लगभग 6 तक आ गई है।कुछ क्षेत्रों में स्थानीय विकास की वजह से नक्सली गतिविधियाँ कमजोर हुई हैं, और कई नक्सली हथियार छोड़ चुके हैं या गिरफ्तार/मार गिराए गए हैं। छत्तीसगढ़, मलकानगिरी ( ओडिशा ) जैसे पुराने गढ़ों में सुरक्षा बलों ने ठोस प्रभावी अभियान चलाए हैं जिससे कई शीर्ष नक्सली कमांडर भी ढेर किये गए हैं। 85% से अधिक नक्सलवादी कैडर पहले से बाहर किया जा चुका है और अब अंतिम चरण की कार्रवाई चल रही है। इससे न केवल हिंसा में कमी आई है बल्कि स्थानीय समर्थन तोड़ने में भी मदद कर रही है। कई नक्सली हथियार डालकर लौट आए हैं और स्थानीय सुरक्षा संरचनाओं में शामिल हो रहे हैं, जिससे इलाके में स्थिरता आई है। सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई के साथ-साथ सड़कों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और रोजगार योजनाओं ने उन क्षेत्रों में सरकार की उपस्थिति को मजबूत किया है जहाँ पहले राज्य लगभग अनुपस्थित था। यह बदलाव केवल सैन्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक भी है।

जम्मू-कश्मीर में स्थिति पिछले दशक की तुलना में बदली है। बड़े पैमाने पर पत्थरबाज़ी, हड़तालें और खुले अलगाववादी आंदोलन कमजोर पड़े हैं। पर्यटन, निवेश और बुनियादी ढाँचे में सुधार देखने को मिला है।कश्मीर ने पिछले कई वर्षों में आतंकवाद, अलगाववादी हिंसा और सीमा पार आतंकवाद के साथ संघर्ष किया है। 5 अगस्त 2019 को विशेष राज्य व्यवस्था ( अनुच्छेद 370 ) हटने के बाद से स्थिति में व्यापक बदलाव आया है और सरकार का दावा है कि कश्मीर में आतंकवाद लगभग समाप्ति के करीब है। सिंदूर ऑपरेशन ने सीमा पार से आतंकी घुसपैठ लगभग रोक दी है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने कई जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा सेना संयुक्त अभियानों के तहत आतंकियों को पीछे धकेलने और नेटवर्क को तोड़ने में सफलता हासिल की है, , जिनमे कई आतंकवादी खात्मा हुए। इन गतिविधियों के बावजूद सुरक्षा एजेंसियाँ सतर्कता बनाए रखे हुए है। सरकार की योजना है कि 2026 तक आतंकी गतिविधियों को न्यूनतम स्तर पर लाया जाये, जिससे पर्यटन, अर्थव्यवस्था और स्थानीय जीवन सामान्य रूप से चल सके।

भारत की प्रगति की कहानी केवल उपलब्धियों की सूची नहीं है; यह संभावनाओं और चुनौतियों का संगम है। आर्थिक विकास को समावेशी बनाना ,सुरक्षा को स्थायी शांति में बदलना , राजनीति को संघर्ष से समाधान की ओर ले जाना ,लोकतंत्र को मजबूत और संतुलित बनाए रखना , वे कसौटियाँ होंगी जिन पर भारत की सफलता आँकी जाएगी।भारत जब नक्सलवाद और कश्मीर आतंकवाद जैसे गहरे आंतरिक सुरक्षा जोखिमों को पार कर लेता है, तो इसका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गहरा पड़ेगा। यह भारत को एक सुरक्षित, स्थिर और निवेश के अनुकूल राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।वैश्विक मंच पर भारत की आंतरिक सुरक्षा क्षमता, आतंकवाद से निपटने की नीति, और रणनीतिक गहनता को उच्च स्थान मिलेगा। 2026 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण चुनावी वर्ष भी है। इस साल देश के पाँच राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव होंगे – जिनमें असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी शामिल हैं। ये चुनाव 2026 के पहले पखवाड़े से मई तक विभिन्न तिथियों में आयोजित होंगे। असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने की तैयारी में है। कांग्रेस – गौरव गोगोई जैसे युवा चेहरों के साथ भाजपा को टक्कर देने की योजना पर काम कर रही है। बीजेपी 126 में से 100+ सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर तयारी कर रही है। पार्टी संगठन, युवा-महिला उम्मीदवारों पर जोर दे रही है। असम एक ऐसा राज्य है जहाँ भाजपा ने पिछले दशक में अपनी पकड़ मजबूत की, लेकिन कांग्रेस और अन्य स्थानीय दल अब फिर से गठबंधन बनाकर चुनौती देने की कोशिश करेंगे। रोजगार और विकास ,शरणार्थी/नागरिकता कानून से जुड़ी पुरानी बहसे , स्थानीय पहचान और सामाजिक समीकरण प्रमुख मुद्दे होंगे। पश्चिम बंगाल का चुनाव हमेशा ही तीव्र राजनीतिक प्रतिस्पर्धा वाला रहा है। पिछले चुनाव में टीएमसी ने बड़ी विजय हासिल की थी, लेकिन भाजपा बंगाल में अपनी जड़ें मजबूत करने की कोशिश में है। अवैध नागरिक , घुसपैठ , भ्रष्टाचार , विकास बनाम पहचान राजनीति ,सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ , स्थानीय प्रशासन की उपलब्धियाँ बड़े मुद्दे रह सकते हैं।

केरल की राजनीति में परंपरागत रूप से कम्युनिस्ट वाम मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होता रहा है। वाम मोर्चा तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य रखता है – जो केरल में प्रचलित वाद-विपक्ष शैली के विपरीत है। कांग्रेस में राहुल प्रियंका गाँधी की अग्नि परीक्षा भी होगी। वहीं भारतीय जनता पार्टी इस बार अधिक ताकत और लक्ष्य से मैदान में होगी

तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में सत्ता बचाने में ताकत लगाएगी 7 अन्ना द्रमुक – एडप्पाड़ी के. पलानीस्वामी और पार्टी गठबंधन के साथ मुकाबला करेगी । तमिलनाडु की चुनावी राजनीति में अन्ना द्रमुक और भाजपा मिलकर एन डी ए रणनीति को मजबूत कर रहे हैं, खासकर सीटों का बंटवारा करके अपनी ताकत बढ़ाना चाहती है 7भाजपा की राष्ट्रीय रणनीति 2026 में विशेष रूप से बंगाल, केरल और तमिलनाडु में अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिश पर केंद्रित है। अमित शाह और पार्टी नेतृत्व इन राज्यों को देशव्यापी लोकप्रियता की परीक्षण भूमि मान रहे हैं।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# थाली में लौटती देसी परंपरा , मोटे अनाज से होता रोगों का समाधान

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

आधुनिकता की तेज़ रफ्तार भागदौड़ भरी जिंदगी और पाश्चात्य खान-पान की नकल ने बीते कुछ दशकों में भारतीय समाज की भोजन परंपरा को गहराई से प्रभावित किया है। फास्ट फूड, रिफाइंड आटा, अत्यधिक चीनी और वसा से भरपूर भोजन ने स्वाद तो बदला, लेकिन इसके साथ-साथ शरीर को कई ऐसी बीमारियों की सौगात भी दे दी, जिनका नाम पहले गांव-कस्बों में शायद ही सुनाई देता था। डायबिटीज, मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन संबंधी समस्याएं आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसी पृष्ठभूमि में अब एक सुखद बदलाव दिखाई दे रहा है।लोग अपनी थाली में फिर से मोटे अनाज को जगह देने लगे हैं। यह बदलाव केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहत, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की ओर लौटने का संकेत है। कुछ दशक पहले तक मोटे अनाज भारतीय रसोई का स्वाभाविक हिस्सा थे। बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, मक्का और कोदो जैसे अनाज केवल भोजन नहीं थे, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा थे। ग्रामीण समाज में मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग इन्हीं अनाजों से ऊर्जा प्राप्त करते थे और दिनभर काम करने के बावजूद थकान कम महसूस होती थी। उस समय डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द आम बातचीत में नहीं आते थे। पुराने लोग भले ही पोषण के वैज्ञानिक शब्दों से परिचित न हों, लेकिन अनुभव से जानते थे कि कौन-सा अनाज शरीर को ताकत देता है और कौन-सा भोजन मौसम के अनुकूल है। उनकी पसंद में स्वाद से अधिक महत्व तृप्ति और स्वास्थ्य का होता था। समय बदला तो पसंद भी बदली। शहरीकरण, मशीनों पर निर्भरता और विज्ञापन आधारित संस्कृति ने भोजन को सुविधा और स्वाद तक सीमित कर दिया। सफेद आटा, पॉलिश किया हुआ चावल और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ प्रतिष्ठा और आधुनिकता का प्रतीक बन गए। मोटे अनाज, जिन्हें कभी गरीबों का भोजन कहा गया, धीरे-धीरे रसोई से बाहर होते चले गए। नई पीढ़ी की पसंद में पिज्जा, बर्गर और नूडल्स शामिल हो गए, जबकि बाजरे की रोटी या ज्वार की भाखरी पिछड़ेपन की निशानी मानी जाने लगी। यही वह दौर था जब शरीर में असंतुलन बढ़ा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलने लगीं।

आज स्थिति एक बार फिर करवट ले रही है। जब दवाइयों पर बढ़ता खर्च और लगातार बिगड़ती सेहत चिंता का कारण बनी, तब लोगों ने अपने भोजन पर पुनर्विचार करना शुरू किया। विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सलाह, शोध रिपोर्ट्स और पारंपरिक ज्ञान के पुनर्मूल्यांकन ने मोटे अनाज को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद मोटे अनाज को वैश्विक मंच मिला और 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' जैसी पहल ने इसे नई पहचान दी। इसका प्रभाव यह हुआ कि जो अनाज कभी गांवों तक सीमित थे, वे अब शहरी हाई-मार्ट और सुपरमार्केट की शेल्फ पर भी सम्मान के साथ नजर आने लगे हैं।

स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो मोटे अनाज किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने के कारण रक्त में शर्करा धीरे-धीरे बढ़ती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को विशेष लाभ मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति नियमित रूप से मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करता है, तो उसे दवाइयों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के मेडिसिन विभाग से जुड़े डॉ. पवन कुमावत का मानना है कि मोटे अनाज का धीमा पाचन शरीर में ऊर्जा को संतुलित रूप से रिलीज करता है, जिससे अचानक भूख लगने की समस्या कम होती है और वजन नियंत्रण में रहता है।

आज की पीढ़ी की पसंद में जो बदलाव दिख रहा है, वह केवल मजबूरी नहीं बल्कि समझ का परिणाम है। लोग यह महसूस करने लगे हैं कि महंगे सुपरफूड्स की तलाश में विदेशों की ओर देखने से बेहतर है कि अपनी मिट्टी में उगे अनाज को अपनाया जाए। यह आत्मनिर्भर भारत की सोच के भी अनुरूप है। जब हम अपने पारंपरिक भोजन को अपनाते हैं, तो न केवल अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, बल्कि स्थानीय किसानों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी मजबूती देते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि मोटे अनाज की वापसी अतीत की ओर लौटना नहीं, बल्कि भविष्य की ओर एक समझदारी भरा कदम है।

पुराने लोगों की पसंद अनुभव से उपजी थी और आज की पीढ़ी की पसंद ज्ञान और शोध से आकार ले रही है। जब दोनों का संगम होता है, तो एक ऐसी जीवनशैली सामने आती है जो स्वाद, सेहत और संतुलन तीनों को साथ लेकर चलती है। थाली में मोटे अनाज की मौजूदगी केवल भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज की पहचान बन सकती है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

## निशाना

### अपने शहर में भी मेट्रो है..!

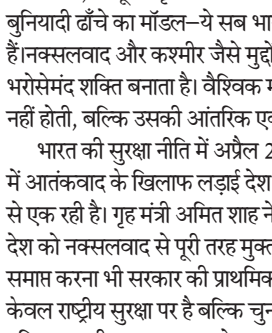

सतीश चंद्र श्रीवास्तव

उदघाटित हुई 'मैट्रो,'
परिपूरित कर 'प्रथम चरण'
होगी यातायात व्यवस्था
दिन पर दिन सहज-सुगम !
सैर करेंगे, सेल्फी लेंगे,
अनुभव अपने बताएंगे
अपने शहर में भी है मैट्रो,
खूब तराने गाएंगे।
आसान सी दिखने वाली सुविधा
बहुत कठिन थी यारों
चारों तरफ चुनौतियों के,
अंबार कह रहे थे हारो !
पर, बढ़ते कदम कहाँ रुकते हैं,
वीर , साहसी कब झुकते हैं
हटा दिया हर मुश्किल को,
किया दूर, थी समस्या जटिल जो।
हर कठिनाई में लेती,
अगड़ाई हर तरुणाई है
हार खड़ी हो दूर सिसकती,
जीत सदा मुस्काई है !

## हेल्थ अपडेट

# हीमोग्लोबिन कम हो जाए तो सप्लीमेंट से पहले अपनी डाइट में लाएं बदलाव

**हमारे** देश में एनीमिया के ज्यादातर मामलों में इसकी वजह सही डाइट का न होना है। हर दिन के भोजन में अगर प्रोटीन, फैट, कार्बोहाइड्रेट्स, मिनरल्स, विटामिन्स, फाइबर्स आदि की मौजूदगी सही मात्रा में हो तो मुमकिन है कि इस परेशानी से काफी हद तक बचे रहेंगे। लेकिन सवाल ये हैं कि हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने के लिए आयरन सप्लिमेंट्स की कितनी ज़रूरत होती है?

जब बात खून की होती है तो वह सिर्फ लाल वाले हिस्से (हीमोग्लोबिन) की नहीं होती। खून में कई दूसरे ज़रूरी सेल्स भी हैं- इसमें लाल रक्त कोशिकाएं सफेद रक्त कोशिकाएं प्लेटलेट्स और प्लाज्मा आदि शामिल हैं। सीधे कहें तो हीमोग्लोबिन को पूरा ब्लड समझ लेना गलत है। हीमोग्लोबिन असल में एक प्रोटीन है जो लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर पाया जाता है। यह फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के हर हिस्से यानी हर कोशिकाओं तक पहुंचाता है और वापस कार्बन डाइऑक्साइड लेकर फेफड़ों तक आता है ताकि हम उसे सांस के ज़रिए बाहर निकाल सकें।

अगर शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल कम हो जाए तो इसका मतलब यह नहीं कि खून की मात्रा कम हो गई है बल्कि यह कि खून की क्वॉलिटी यानी उसकी ऑक्सीजन ढोने की क्षमता घट गई है। इसे ही एनीमिया कहा जाता है। ऐसे में कमजोरी, चक्कर आना, थकान, सांस फूलना और चेहरा पीला पड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

**कब लें आयरन सप्लिमेंट?:** सबसे पहले ब्लड टेस्ट CBC (कंप्लीट ब्लड काउंट) करवा लें। वैसे तो एनीमिया का पता लक्षणों से चल जाता है लेकिन टेस्ट करना ज़रूरी है। फिर डॉक्टर की सलाह से ही सप्लिमेंट ले सकते हैं। डॉक्टर की सलाह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि वही समझ सकते हैं कि खून की कमी आयरन की कमी से है या किसी दूसरी वजह से।

काउंट अगर कम हो तो नींबू या विटामिन-C वाले फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, गाजर और शकरकंद, चुकंदर को डाइट में शामिल करें। यह आयरन, फोलेट और फाइबर से भरपूर होते हैं जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को तेज़ी से बढ़ाते हैं । हर दिन 2 कटोरी दाल खाएं। इसमें मूंग, मसूर, चना आदि हों। भुने चने आयरन और प्रोटीन को बाइंड करने में मददगार हैं। साथ ही प्रोटीन का भी बेहतरीन सोर्स है।

गुड़, काले अंकुरित चने, खजूर और किशमिशः सर्दियों में खाना फायदेमंद है। अगर शुगर न हो तो 50 ग्राम तक गुड़ और अपनी मुट्ठी से नापकर 2 मुट्ठी अंकुरित चना खाने से आयरन का लेवल सही रहता है। वहीं खजूर और किशमिश भी आयरन के अच्छे सोर्स हैं। अगर शुगर है तो हर दिन एक मौसमी फल और शुगर नहीं है तो दो फल भी खा सकते हैं। इसमें अनार एक अच्छा विकल्प है। यह आयरन और विटामिन-सी दोनों का अच्छा स्रोत है। अनार का जूस खून बढ़ाने के लिए बहुत असरदार माना जाता है। इनके अलावा सेब, केला, खट्टे फल (संतरा, नींबू), पपीता और अमरूद भी एनीमिया में फायदेमंद हैं। खट्टे फल विटामिन-सी देते हैं जो आयरन को जज्ब करने में मददगार हैं। इन्हें हर दिन न सही, हफ्ते में 3 से 4 दिन खाने से भी काफी फर्क पड़ेगा।

## यूजर्स गाइड

# मौजूद है सिम कार्ड को लॉक करने का ऑप्शन, ठगों के हाथ नहीं लगेगा OTP

**आज** के डिजिटल युग में आपका सिम कार्ड बैंकिंग, UPI, ईमेल और सोशल मीडिया की चाबी बन चुका है। ऐसे में अगर आपका फोन नंबर चोरी हो जाए, तो यह कितना खतरनाक हो सकता है। दरअसल आजकल सिम-स्वैप या डुप्लीकेट सिम के जरिए फ्रॉड करना आम हो गया है। आपका सिम कार्ड अपने कंट्रोल में लेकर ठग बैंकिंग और PI से जुड़े OTP हासिल कर लेते हैं। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट खाली करना बच्चों का खेल रह जाता है। हालांकि आप अगर चाहें, तो अपने नंबर को चोरी होने से बचाने के लिए एक सेटिंग ऑन कर सकते हैं। इसे सिम लॉक कहा जाता है।

SIM लॉक को आप एक तरह की सुरक्षा लेयर समझ सकते हैं। अगर आप अपने सिम पर लॉक लगा दें, तो कोई भी बिना पिन के उस सिम का इस्तेमाल नहीं कर सकता। इसका फायदा ये है कि कोई भी आपके नंबर को न तो पोर्ट करा सकता है और न ही डुप्लीकेट सिम निकलवा सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि सिम-स्वैप फ्रॉर्ड करने वालों की कोशिश आपके फोन नंबर तक पहुंच बनाने की होती है। ऐसे में अगर सिम लॉक हो, तो ऐसा कर पाना संभव नहीं रहता। ऐसे में इस फीचर को आप सिम स्वैप के जरिए होने वाली ठगी से बचने का रामबाण इलाज मान सकते हैं।

**SIM लॉक से क्या-क्या सुरक्षित रहता है?:** SIM को लॉक करके आप सिर्फ फोन नंबर को ही नहीं बल्कि अपनी पूरी डिजिटल पहचान को लॉक कर सकते हैं। इससे मुख्य रूप से आपका नंबर और OTP सुरक्षित हो जाते हैं। इससे बैंकिग या UPI फ्रॉड का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा WhatsApp जैसे मैसेंजर और ऐसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जिनमें OTP के जरिए लॉगइन होता है, वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी सुरक्षित हो जाते हैं।

कैसे लगाएं SIM पर तालाः अपने फोन में सिम लॉक लगाना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले आप फोन ऑपरेटर के डिफाल्ट सिम पिन का पता कर लें। यह आमतौर पर 0000 या 1234 होता है। इसके लिए अपने एंड्रॉयड फोन में Settings > Security & Privacy > SIM Lock पर जाएं।

इसके बाद SIM PIN लॉक को ऑन करें। ऑपरेटर का डिफॉल्ट PIN डालें। अब अपना नया 4-अंकों का PIN सेट करें। ऐसा PIN चुनें जो आपको याद रहे, लेकिन दूसरों के लिए अनुमान लगाना मुश्किल हो। अगर आप अपने फोन पर सिम लॉक कर देते हैं, तो अगर आपका फोन रीस्टार्ट होता है या फिर कोई फोन से सिम निकालकर दूसरे फोन में लगाता है, तो सिग्नल आने से पहले स्क्रूरूका पिन डालना जरूरी होगा। ऐसे में अगर कोई आपका सिम चुरा ले तो भी बिना पिन के उसका इस्तेमाल कर पाना नामुमकिन होगा। ऐसे में ठग न कॉल कर पाएंगे, न ह्वक्रपा सकेंगे और न ही आपका नंबर कहीं इस्तेमाल कर पाएंगे।

## न्यूज विंडो

### प्रवीण बने महाराणा प्रताप राजपूत समिति के अध्यक्ष

**गंजबासौदा।** श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति की बैठक स्थानीय नवीन राजपूत धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित हुये और सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनने का निर्णय लिया गया जिसमे प्रस्ताव वीरेंद्र सिंह राजपूत एडवोकेट ने रखा, जिसका समर्थन विनोद सिंह राठौर ने किया। बैठक में उपस्थित सभी राजपूत सरदारों ने ध्वनिमत से अपना समर्थन किया और प्रवीण प्रताप सिंह जादोन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया इस अवसर पर महाराणा प्रताप राजपूत समिति के वर्तमान अध्यक्ष बसंत सिंह राजपूत, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक देवेंद्र सिंह राजपूत (मन्नू जी), वीरेंद्र सिंह राजपूत, जगदीप सिंह राजपूत, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश सिंह जादौन, केपी सिंह राजपूत, पूर्व अध्यक्ष एवं निर्माण समिति एवं अभिभाषक संघ बासौदा के अध्यक्ष अमान सिंह राजपूत, मुकेश सिंह राजपूत ,प्रमोद राजपूत, सतनाम राजपूत सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

### युवा कांग्रेस ने भाजपा की वादा खिलाफी नीतियों पर ग्रामीणों से की चर्चा

**इटारसी।** मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के चलो पंचायत ग्राम चौपाल कार्यक्रम के तहत केसला ब्लॉक के डांडीवाड़ा पंचायत में रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष गौरव चौधरी और सिवनी मालवा विधानसभा अध्यक्ष विकास राजपूत के नेतृत्व में जितेंद्र सिंह सोलंकी, ब्लॉक अध्यक्ष हेमू कश्यप, जनपद सदस्य विजय कावरे, उप सरपंच देवेंद्र दीक्षित, ऐश्वर्य चौरे तथा केसला ब्लॉक अध्यक्ष अमन गालर ने ग्राम चौपाल में मौजूद रहे।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की वादाखिलाफी पर ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा की। ग्रामीणों ने स्थानीय मुद्दों जैसे बुनियादी सुविधाओं की कमी, विकास कार्यों में देरी और चुनावी वादों की अनदेखी पर अपनी पीड़ा साझा की।युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह कार्यक्रम ग्रामीणों की आवाज को मजबूत करने और सत्ता पक्ष की नाकामियों को उजागर करने का मंच है।

### कांग्रेस ने स्थापना दिवस पर संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

**गंजबासौदा।** कांग्रेस के 141 वें स्थापना दिवस पर सभी कांग्रेस जन कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए जहां ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस की तरफ से स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इसमें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के संदेश का वाचन किया जो उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के लिए संदेश के रूप में भेजा था जिसमें मुख्य रूप से संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया एवं प्रदेश में चल रहे एसआईआर अभियान में पूर्ण तत्परता से कार्य करने को लेकर जोर दिया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक निशंक जैन, नवनियुक्त किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष विनीत दांगी, विकास शर्मा ,कृष्ण मोहन शर्मा, सत्य प्रकाश सेन, कल्याण सिंह नागोरी, जवाहर सिंह रघुवंशी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अदनान ,नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास,भानु प्रताप रघुवंशी,रामबाबू आनंदपुर, सुजीत सराठे, लालाराम चंदेल, रवि यादव , डॉ अशोक रोहले, अनिल पाठक, हरीश भावसार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच का संचालन बाबू पिंगले ने किया एवं उपस्थित सभी कांग्रेस जनों का आभार व्यक्त बी डी शर्मा ने किया।

### हर्षोल्लास के साथ मनाया नगर गौरव दिवस, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

**अनूपपुर।** जिले के नगर परिषद डोला में नगर गौरव दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह, गरिमा और सांस्कृतिक वातावरण के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप जायसवाल एवं हीरा सिंह श्याम रहे। कार्यक्रम में नगर के समस्त जनप्रतिनिधियों, पार्षदों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। नगर गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी पार्षदगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसके पश्चात नगर के विकास, उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में नगर परिषद डोला के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नगर गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि नगर के प्रति जिम्मेदारी और एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने नगर के सर्वांगीण विकास हेतु सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं, जरुरत मंदों को परिषद द्वारा ट्रायसाईकल एवं वैशाखी भी वितरित किए गए। उपस्थित जन कार्यक्रम को देख व सुन बेहद प्रसन्न नजर आए।अंत में नगर परिषद की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। नगर गौरव दिवस का यह आयोजन नगरवासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बना। कार्यक्रम में भूतपूर्व जिला अध्यक्ष आशाराम वैश्य, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम, नगर के जनप्रतिनिधियों सहित पार्षद गण, नगर के प्रबुद्ध जनों के अलावा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जितेन्द्र शुक्ला ने किया।

शासन के निर्देश पर कराए गए दोबारा सत्यापन में खुलासा

# धान पंजीयन में फर्जीवाड़ा: बैतूल में 431 किसान अपात्र घोषित, पंजीयन निरस्त

**बैतूल।दोपहर मेट्रो**

जिले में ज्वार पंजीयन में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बाद अब धान और मोटे अनाज के पंजीयन में भी फर्जीवाड़े की आशंका सही साबित हुई है। शासन के निर्देश पर कराए गए दोबारा सत्यापन में सिकमी (बटाईदार) और वन पट्टाधारी श्रेणी के 834 पंजीकृत किसानों में से 431 किसान अपात्र पाए गए हैं। जांच के बाद इन सभी किसानों के पंजीयन निरस्त कर दिए गए हैं, जिससे अब ये किसान समर्थन मूल्य पर अपनी उपज नहीं बेच सकेंगे। वहीं, जांच में 403 किसान पात्र पाए गए हैं, जिनका पंजीयन यथावत रखा गया है।

जानकारी के अनुसार जिले में धान और मोटे अनाज की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए कुल 9 हजार 171 किसानों ने पंजीयन कराया था। पंजीयन की प्रक्रिया जिले के 17 सहकारी पंजीयन केंद्रों पर की गई थी, लेकिन इनमें से कई किसानों के पंजीयन से जुड़े अनुबंध ई-उपार्जन पोर्टल पर अपलोड नहीं पाए गए। इस कारण यह आशंका जताई गई कि संबंधित किसान सिकमी (बटाईदार) या वन पट्टाधारी हो सकते हैं और उनके दस्तावेज संदेह के दायरे में हैं। ऐसे ही 834 किसानों को संदेहस्पद मानते हुए कलेक्टर ने इनके पंजीयनों की दोबारा जांच के आदेश जारी किए थे। संदेहस्पद पंजीयनों की गहन जांच के लिए कलेक्टर ने पांच सदस्यीय जांच दल का गठन किया। इस दल में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी कृषि विभाग, सहकारिता विस्तार अधिकारी (सहकारिता विभाग) तथा सहायक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को शामिल किया गया। जांच दल को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार सिकमी और वन पट्टाधारी श्रेणी में आने वाले किसानों के पंजीयन की वास्तविकता की जांच का दायित्व सौंपा गया। बीस दिन में जांच दल ने जांच पूरी कर ली। कलेक्टर के आदेश के अनुसार जांच केंद्रवार कराई गई। जांच दल ने पंजीयन केंद्र पर उपलब्ध दस्तावेजों का ई-उपार्जन पोर्टल पर दर्ज किसानों के रकबे और फसल विवरण से मिलान किया। साथ ही पोर्टल पर अपलोड किए गए अनुबंधों की भी बारीकी से जांच की। सिकमी और बटाई पर भूमि लेने वाले किसानों के मामलों में मूल भूमिधारकों से पुष्टि की गई।

#### ज्वार पंजीयन से सबक, इसलिए सख्ती

प्रशासन के लिए यह जांच इसलिए भी अहम थी क्योंकि इससे पहले ज्वार पंजीयन के दौरान फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई किसानों के पंजीयन सामने आए थे, जिससे प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। बाद में सत्यापन के दौरान ऐसे फर्जी पंजीयन पोर्टल से हटाए गए थे। इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए धान और मोटे अनाज के पंजीयन में किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सतर्कता बरती और सिकमी तथा वन पट्टाधारी श्रेणी के किसानों के पंजीयन की जांच कराई।

## रील बनाते समय तालाब में पलटी नाव डूबने से युवक की मौत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ग्राम घटेरा में तालाब में नाव पर रील बनाते समय नाव पलटने से एक युवक की पानी में डूबने से मौत गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बंजरिया निवासी कमलेश तिवारी के 19 वर्षीय पुत्र देव तिवारी रविवार को अपने दोस्तों से मिलने के लिए घटेरा गया हुआ था। जहां घटेरा तालाब पर पहुचा। यहां देव तिवारी अपने दोस्तों के साथ मोबाइल से रील बनाने लगा और वहीं तालाब में पानी के बीच रील बनाने के लिए अपने दोस्तों के साथ तालाब में चलती नांव में खड़े होकर देव तिवारी अपने मोबाइल से रील बनाने लगा। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से नांव तालाब में पलट गई। जिसमें नाव में सवार बैठे युवाओं के चिल्लाने की आवाज सुनते ही तालाब के आसपास घूम रहे अन्य दोस्तों ने ग्रामीणों को सूचना दी। जानकारी मिलने पर स्थानीय सरपंच अशोक राय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जहां तालाब में डूबे युवाओं को बचाने का प्रयास शुरू किया गया। जिसमें दो युवकों को तो बचा लिया गया। लेकिन देव तिवारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए त्योंदा शासकीय अस्पताल लाया गया। उसकी हालत इतनी नाजुक थी कि डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची यहां घटना के बारे में परिजनों से चर्चा की। वहीं देव की मौत होने से परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है और गांव में ग़म का माहौल है सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बताया गया कि देव तिवारी को वीडियो बनाकर रील बनाने का बहुत शौक था। उसने अपने इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर आईडी बनाई हुई थी।

## यूथ हॉस्टल इकाई ने आयोजित की वर्ष 2025 की अंतिम ट्रेकिंग

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की भोजपुर इकाई मंडीदीप ने वर्ष 2025 की अंतिम ट्रेकिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया। यह ट्रेकिंग छोटी पचमढ़ी के नाम से प्रसिद्ध सम्राट अशोक सागर (हलाली डैम) क्षेत्र में आयोजित की गई, जिसमें सभी आयु वर्ग के लगभग 40 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी सम्राट अशोक सागर हलाली डैम पहुंचे, जहां से पैदल ट्रेकिंग शुरू हुई। घने जंगल के रास्ते से गुजरते हुए सदस्यों ने वन्य प्राणियों का दीदार किया। ढाई किलोमीटर की पैदल यात्रा के बाद सभी नदी किनारे स्थित पचमढ़ी शिव मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में प्रतिभागियों ने अंताक्षरी और विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रमों का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में यूथ हॉस्टल मध्य प्रदेश राज्य शाखा के चेयरमैन मनोज चौधरी की धर्मपत्नी रितु जौहरी ने सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इकाई सचिव राजेश ठाकुर ने बताया कि यह वर्ष 2025 का अंतिम ट्रेकिंग कार्यक्रम था, जो प्रकृति प्रेम और साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

## अनियंत्रित ट्रक सड़क से उतरा, 64 लाख की अवैध शराब जब्त

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर करणपुर के पास रविवार को अंग्रेजी शराब की पेटियों से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ट्रक के सड़क से नीचे उतरते ही ड्राइवर और क्लीनर मौके से भाग गए। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस पहुंची और सुरक्षा के लिए बल तैनात कर दिया। शराब को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है।ट्रक में अंग्रेजी ब्रांड की लगभग 700 से ज्यादा पेटियां लोड थीं। पुलिस ने दूसरे वाहन की मदद से सभी पेटियों को उठाया। इस शराब की कीमत करीब 64 लाख रुपये बताई जा रही है। हालांकि, यह शराब किसकी है और कहां से लाई गई, इसकी पुलिस को अभी कोई जानकारी नहीं है। देर शाम तक कोई व्यक्ति शराब का दावा करने नहीं पहुंचा। ऐसे में लाखों की यह शराब अवैध होने की आशंका है, जो शायद नए साल के जश्न के लिए ले जाई जा रही थी।

सुबह-सुबह की यह घटना होने से लगता है कि ड्राइवर को नींद आ रही होगी। अनियंत्रित होकर ट्रक हाईवे से नीचे उतर गया। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर-क्लीनर का भागना और किसी का दावा न करना कई सवाल खड़े कर रहा है। चर्चा है कि शराब खंडवा जिले से शहडोल ले जाई जा रही थी। थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि ट्रक हाईवे से नीचे उतर गया, जिसमें शराब की पेटियां लदी थीं। शराब को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। अभी तक किसी ने दावा नहीं किया।

## गुना के गेंदबाजों का जलवा, दिनभर में चटकाए 20 विकेट

#### छबड़ा को हराकर गुना ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति लेदर बाल टूर्नामेंट में रविवार को गुना के गेंदबाजो का जलवा रहा। गुना के गेंदबाजों ने पहले बदरवास और फिर छबड़ा की टीम को ऑलआउट कर मैच में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस टूर्नामेंट का पहला क्वार्टर फाइलन छबड़ा और गुना के बीच हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुना ने धमाकेदार खेल दिखाया। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 197 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। बल्लेबाजी करने उतरे सभी बल्लेबाजों ने जोरदार खेल दिखाया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी शनिवार की विजेता छबड़ा की टीम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा। पूरी टीम 13.4 ओवर में केवल 53 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। केवल तीन खिलाड़ी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके और 5 बल्लेबाज शून्य पर आरट होकर वापस लौटे। इस जीत के साथ साईं अकादमी गुना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

दिन के पहले मैच में गुना के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर बदरवास को 16 ओवर में 82 रन पर ऑलआउट कर दिया। गुना ने 5 विकेट खोकर 83 रन बनाकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। आयोजन समिति के सदस्य राहुल त्यागी ने बताया कि सोमवार को जमशेदपुर और बिलासपुर और सिरोंज और पिपरिया की टीम के बीच मुकाबले होंगे।

## पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार 4 घायल, एक की हालत गंभीर

**इटारसी। दोपहर मेट्रो**

तिलक सिंदूर-जमानी रोड पर माना गांव के पास एक कार तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। इस भयावह सड़क हादसे में कार में सवार चार लोग घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंची बचाव टीमों ने घायलों को तत्परता से अस्पताल पहुंचाया।हादसे का प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तिलक सिंदूर से जमानी की ओर आ रही थी। अचानक सड़क पर एक कुत्ता आ गया, जिसे बचाने के चलते चालक ने नियंत्रण खो दिया। कार सड़क से फिसलकर पेड़ से जा टकराई। हादसा दोपहर करीब 3 बजे हुआ,घटना की सूचना मिलते ही एफआरवी-10 और 108 एम्बुलेंस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से एफआरवी पायलट राजेश ठाकुर और डायल 112 में तैनात एएसआई छतुरसिंह काकोड़िया ने घायलों को एम्बुलेंस में शिफ्ट किया। सभी घायलों को इटारसी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार मोहित पिता सुनील गौर,मयंक पिता दिनेश कुशवाह,अनुज पिता-अशोक कुशवाह,हार्दिक पिता अशोक कुशवाह कार मे सवार थे।

**मेट्रो एंकर** तेज ठंड से बचने नपा की प्रदूषण मुक्त पहल, पेड़ भी कटने से बचेंगे और धुएं से भी मुक्ति मिलेगी

# अलाव की जगह लगेंगे इलेक्ट्रिक और गैस हीटर

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

तेज ठंड से नागरिकों को प्रदूषण मुक्त राहत दिलवाने के लिए नपा ने सार्थक शुरूआत की है। नपा ने पुराना कोर्ट एरिया और चांदनी चौक में इलेक्ट्रिक हीटर लगाए हैं। साथ ही नपा गैस हीटर के उपयोग पर भी विचार कर रही है। हर साल नपा तेज ठंड पड़ने पर सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाती हैं। 20 से ज्यादा स्थानों पर ये अलाव जलते हैं। जिसमें औसतन 40 क्विंटल लकड़ी खर्च होती है। लकड़ी गीली होती है तो हर ओर धुआं दिखाई देता है। इसी से निजात पाने के लिए नपा ने ये नई शुरूआत की है। इसके पीछे विधायक उमाकांत शर्मा के विचार ने काम किया। उन्होंने ही नपा को पर्यावरण संरक्षण के हिसाब से ऐसी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए थे लोगों को राहत भी मिले और पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं हो।

शनिवार रात में जब गैस हीटर का उपयोग किया गया तो उनकी राड तेज गर्म होने पर अचानक बंद हो रही हैं और कुछ देर बाद फिर जलने लगती है। अब इनके स्थान गैस हीटर का उपयोग करने की योजना नपा बना रही है। नपा बस स्टैंड, सरकारी अस्पताल, छतरी चौराहा के साथ 6 स्थानों पर ये व्यवस्था करेगी।

#### दोनों हीटरों का खर्च लगभग समान

उपयोग किए जा रहे इलेक्ट्रिक हीटर 3 किलो वाट के हैं। बिजली कंपनी के जेई अमानसिंह कुशवाह ने बताया कि एक किलो वाट पर प्रति घंटा 1 यूनिट बिजली खर्च होती है। 3 किलो वाट पर प्रति घंटा 3 यूनिट बिजली जलेगी। इसके लिए नपा को संबंधित स्थानों पर सेटअप लगवाना पड़ेगा। अनुमानित 3 घंटे प्रतिदिन यदि हीटर जलता है तो 80 से 100 रूपए खर्च होगा। गैस हीटर भी यदि 3 घंटे प्रतिदिन जलेगा तो एक सिलेंडर 9 से 10 दिन चलेगा। इस हिसाब से दोनों का खर्च लगभग समान है।

#### गैस हीटर का उपयोग भी करके देखेंगे

नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताय कि पर्यावरण संरक्षण के लिए विधायक जी का सुझाव काफी प्रशंसनीय है। तकनीकि रूप से गैस हीटर इलेक्ट्रिक हीटर की तुलना में बेहतर साबित होने की संभावना हैं। हम उनका उपयोग करके भी देखेंगे और इसके बाद जो ज्यादा अच्छा होगा उसका उपयोग करेंगे।

## न्यूज विंडो

### वन्य प्राणियों के शिकार और मांस भंडारण के मामले में आठ को पकड़ा

**छिंदवाड़ा।** जिले के पूर्व करंजिया वन परिक्षेत्र में वन्य प्राणी के अवैध शिकार और मांस भंडारण के मामले में वन विभाग को सफलता मिली है। रविवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने नारी ग्वारा गांव में तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से जंगली सूअर का क'चा और पका हुआ मांस जब्त किया। रेंजर कौशांबी झा ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंची और यह कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत की गई है।

### वसुधा में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए सौंपा ज्ञापन

**कटनी।** कटनी के रीठी थाना क्षेत्र के ग्राम वसुधा में अवैध शराब की बिक्री से परेशान ग्रामीणों ने रीठी थाना पहुंचकर पुलिस को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने इस समस्या पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि युवा वर्ग के साथ-साथ छोटे बच्चे भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। इससे घरों में कलह और आर्थिक तंगी बढ़ रही है। साथ ही गांव में आए दिन विवाद की स्थिति पैदा हो रही है।

### किसानों के लिए अब फॉर्मर आईडी बनवाना जरूरी, नहीं तो होगी मुश्किल

**बालाघाट।** जिले के किसानों के लिए अब अपनी खास पहचान आईडी (किसान पहचान पत्र) बनवाना बहुत जरूरी हो गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इसके बिना सरकारी मदद मिलना मुश्किल हो जाएगा। सरकार की नई योजना के तहत अब हर किसान के पास अपनी फार्मर आईडी होना अनिवार्य है। कलेक्टर मृणाल मीना के आदेश पर जिले भर में इसे बनाने का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है। जिन भी लोगों के नाम पर खेती की जमीन है, उन्हें यह आईडी हर हाल में बनवानी होगी ताकि सरकारी योजनाओं का काम पारदर्शी तरीके से चलता रहे।

### मोहि घाट पर तीन वाहन आपस में टकराए, दो लोग गंभीर घायल

**पांढुर्णा।** पांढुर्णा के मोहि घाट पर एक के बाद एक तीन वाहन आपस में टकरा गए, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार दोपहर की है। जानकारी के अनुसार, मोहि घाट पर बने ब्रेकर पर एक ट्रक ने अपनी गति धीमी की। इसी दौरान पीछे से आ रहा एक ट्रैक्टर उससे टकरा गया। इस घटना में एक कार भी डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।हादसे में कार सवार मुल्ताई निवासी दीपेन गिरहारे और दिनेश धोते घायल हो गए। उन्हें पांढुर्णा सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें होने के कारण उन्हें नागपुर रेफर कर दिया गया।

### सतलापुर से नर्मदापुरम जा रहा युवक लापता, 48 घंटे बाद भी नहीं लगा सुराग

**मंडीदीप।** शहर के सतलापुर क्षेत्र में दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद नर्मदापुरम के लिए रवाना हुआ एक युवक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। घटना शुक्रवार देर रात की है और अब तक 48 घंटे बीत जाने के बावजूद युवक का कोई पता नहीं चल सका है। लापता युवक

की पहचान 34 वर्षीय विवेक शर्मा उर्फ अविनाश उर्फ काके के रूप में हुई है, जो मूल रूप से नर्मदापुरम का निवासी है। विवेक पहले मंडीदीप में रह चुका है और अपने दोस्तों से मिलने अक्सर यहां आता-जाता रहता था। शुक्रवार रात को सतलापुर में दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद वह अपनी कार से नर्मदापुरम के लिए निकला था, लेकिन न तो वह घर पहुंचा और न ही उसका कोई सुराग मिला। परिजनों के अनुसार, विवेक का मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा था। हालांकि शनिवार शाम को अचानक फोन चालू हुआ। जब परिजनों ने कॉल किया तो दूसरी तरफ से एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन उठाया और बताया कि उसे यह मोबाइल रतापानी क्षेत्र में एक ढाबे के पास पड़ा हुआ मिला था। इस घटना की सूचना मिलते ही सतलापुर थाना पुलिस हरकत में आई। परिजनों की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस विवेक की मोबाइल डिटेल्स की जांच कर रही है, साथ ही पार्टी में शामिल संदिग्ध लोगों के फोन कॉल रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। पार्टी स्थल से लेकर रास्ते के टोल नाकों तक के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है। विवेक के लापता होने की खबर फैलते ही नर्मदापुरम और मंडीदीप के युवकों की भीड़ सतलापुर थाने में जमा हो गई।

# बंद पड़ी पुष्ठा फैक्टरी बनी दैत्याकार अजगर सांपों का ठिकाना

**भूसे में छुपे करीब 13 फीट लंबे और 50 किलो वजनी अजगर का किया रेस्क्यू**

**सागर। दोपहर मेट्रो**

जिले का सानौधा इलाका इन दिनों विशालकाय अजगर सांपों का घर बन गया है। इस क्षेत्र की एक बंद पड़ी पुट्ठा फैक्टरी में दैत्याकार अजगर डेरा डाले हुए हैं. रविवार को यहां से एक और अजगर का रेस्क्यू किया गया। अजगर के आकार और वजन को जानकर न केवल ग्रामीणों के होश उड़ा दिए, बल्कि जिले के मशहूर स्नेक कैचर अकील बाबा के भी पसीने छुड़ा दिए। यह इस फैक्टरी से पकड़ा गया अब तक का चौथा और सबसे विशाल अजगर है।

13 फीट लंबा और 50 किलो वजनी अजगर का रेस्क्यू किया गया यह इंडियन रॉक पाइथन करीब 13 फीट लंबा और 50 किलो वजनी है। स्नेक कैचर अकील बाबा के अनुसार, यह पहले पकड़े गए तीन अजगरों का बाप है। ठंड से बचने के लिए अजगरों के इस पूरे परिवार ने फैक्टरी के भूसे के ढेर को अपना ठिकाना बना लिया था। बताया जा रहा है कि अजगर इतना ताकतवर था कि जब अकील बाबा ने इसे अकेले काबू करने की कोशिश की, तो अजगर उन्हें करीब 20 फीट तक घसीटता ले गया। खतरा बढ़ता देख अकील बाबा को उसे छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे असद खान को मदद के लिए बुलाया। असद ने अजगर के जबड़े को दबोच कर किया काबू किया. असद ने जांबाजी का परिचय देते हुए बिना किसी स्टिक के सीधे हाथों से अजगर के जबड़े को दबोच लिया। इसके बाद करीब चार लोगों ने मिलकर इस भारी-भरकम सांप को उठाया और सुरक्षित बोरे में भरा।

**भैंस के बछड़े को निगल सकता था यह शिकारी**

अकील बाबा ने बताया कि यह अजगर इतना विशाल है कि अगर वहां इंसान का 12 साल का बच्चा,गाय भैंस का बछड़ा होता तो यह उसे आसानी से निगल सकता था। गनीमत रही कि जब मजदूर वहां भूसा भरने आए थे, तब कोई अनहोनी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि एक अजगर करीब 36 अंडे देता है, जिससे आशंका है कि फैक्टरी में अभी और भी बच्चे या अजगर हो सकते हैं।

## वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सटे इलाके का मामला

# नर बाघ का मिला शव, सभी अंग सुरक्षित, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

**मृत बाघ की उम्र लगभग 5 से 6 साल, पड़ताल जारी**

**सागर। दोपहर मेट्रो**

सागर,दमोह और नरसिंहपुर जिले तक फैले मध्यप्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सटे हिलगन गांव इलाके के दक्षिण वनमंडल के ढाना रेंज में एक नर बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। नर बाघ की उम्र करीब 5-6 वर्ष बताई जा रही है। हालांकि बाघ के सभी अंग सुरक्षित हैं इससे शिकार से इंकार किया जा रहा है। सारा दारोमदार बाघ के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिका है।

टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में एक टाइगर की मौत हो गई। टाइगर के शरीर के अंग पूरी तरह सुरक्षित हैं, उसके शरीर पर कोई चोट आदि के निशान भी नहीं हैं। अधिकारी शिकार की आशंका से इनकार कर रहे हैं। मिली जानकारी अनुसार दक्षिण वनमंडल के ढाना रेंज में हिलगन गांव के जंगल में रविवार को एक नर बाघ का शव मिला है। सूचना मिलने के बाद दक्षिण वन मंडल के डीएफओ वरुण यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मृत बाघ की उम्र लगभग 5 से 6 साल है। जिस स्थान पर शव मिला है, वह वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सीमा से महज 2 किलोमीटर दूर स्थित राजस्व वन क्षेत्र है। वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के बाघ की राजस्व वन क्षेत्र में मौत ऐसे समय हुई है, जब पूरे प्रदेश में बाघ गणना चल रही है। साल 2018 के बाद से यहां बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है और वर्तमान में दो दर्जन के आसपास बाघ परिवार के सदस्य मौजूद बताए जाते हैं। रविवार को मृतक बाघ संभवतः भटककर टेरिटरी से बाहर राजस्व क्षेत्र में आ गया होगा।

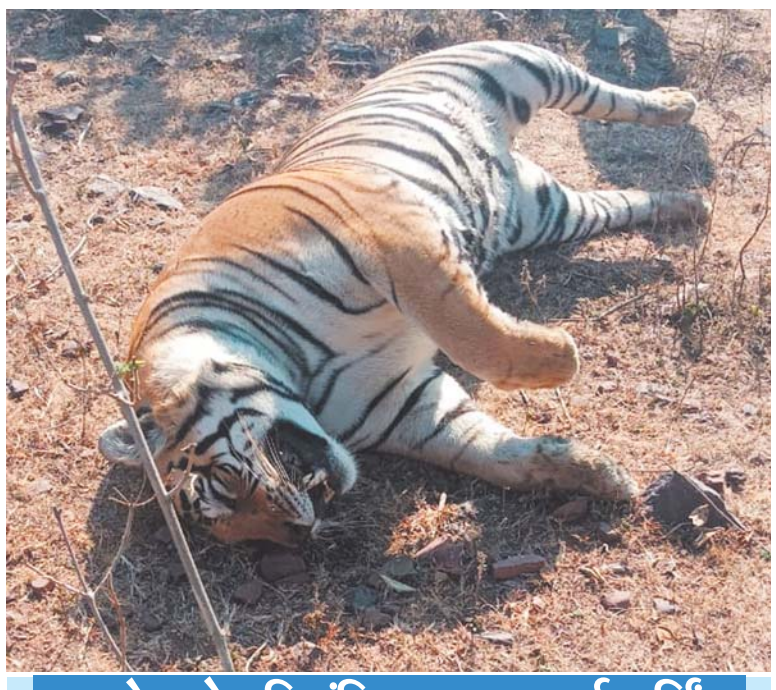

**इलाके को प्रतिबंधित कर कराई सर्चिंग**

डीएफओ वरुण यादव ने बाघ की मौत वाले स्थान को प्रतिबंधित कराते हुए आसपास के इलाके में सर्चिंग कराई है। हालांकि शुरूआती तौर पर कोई आपत्तिनजक वस्तु आदि नजर नहीं आई है। टाइगर का शव पूरी तरह सुरक्षित है। उसके अंग खाल और नाखून सलामत हैं। शिकार की आशंका नहीं लग रही है। बाघ के शरीर पर करंट लगने जैसा निशान भी नहीं दिख रहा है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पीएम कराया गया है। टाइगर की मौत करीब 12 से 24 घंटे पहले होने की आशंका जताई गई है। मौके पर डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम भी बारीकी से साक्ष्य जुटाए हैं।

## हिन्दू सम्मेलन

### हर बस्ती अयोध्या, हर घर मंदिर बनाने का लिया संकल्प

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

औद्योगिक शहर मंडीदीप में रविवार को सकल हिन्दू समाज द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में हिन्दू एकता, समरसता और सनातन संस्कृति को मजबूत करने का संदेश गूंजा। वार्ड 01 के सेठ फूलचंद नगर स्थित आरती उद्यान में आयोजित इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में राजगढ़ से पधारे हेमंत सोठिया ने समाज को राम-सीता के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जो महावीर नगर स्थित श्री हनुमान मंदिर से निकली और आयोजन स्थल पर पहुंचकर पूर्ण हुई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता हेमंत सोठिया ने कहा, ÷हर बस्ती अयोध्या हो, हर घर मंदिर बने। घर की महिलाओं में मां जानकी जैसा भाव और पुरुषों में भगवान राम जैसा चरित्र हो। उन्होंने आगे विस्तार से समझाते हुए कहा कि समाज में समरसता का भाव जागृत होने से जातियों का भेद मिट जाएगा। लोग एक-दूसरे को गले लगाएंगे तो बस्ती अयोध्या बन जाएगी। घरों में माता-पिता का सम्मान हो, संपत्ति के लिए भाइयों में विवाद बंद हो, बड़ों का आदर और छोटों को स्नेह मिले तो ऐसे घर स्वतः मंदिर बन जाते हैं। महिलाओं के संदर्भ में सोठिया ने कहा कि जब घर की महिलाओं में बड़ों के प्रति सेवा भाव और छोटों के प्रति दुलार की भावना जागृत होती है, तो उनमें मां जानकी का भाव आ जाता है। ऐसे ही लोगों की मदद और बड़ों का आदर का भाव हो तो उनमें भगवान राम का गुण प्रतिबिंबित होता है।

## एनसीसी कैडेट सविता का दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन

**सागर। दोपहर मेट्रो**

बीटी इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्सीलैंस, महाविद्यालय मकरोनिया सागर की बी.ए.बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सविता का चयन (आरडीसी-2026) रिपब्लिक डे के लिए हुआ है। उनका यह चयन आर.डी.सी-2026 नई दिल्ली के लिए एडीशनल डायरेक्टर जनरल स्तर पर हुआ। यह चयन एनसीसी में सर्वोच्च और अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक उपलब्धि है। कैडेट सविता 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में

भाग लेंगी। महाविद्यालय के चेयरमेन संतोष जैन, बी.टी. ग्रुप के मार्गदर्शक प्रो. सुबोध जैन, डायरेक्टर संदीप जैन प्राचार्य डॉ. राजू टंडन, ए.एन.ओ. डॉ. वंदना तिवारी महाविद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थी एवं 7 एम.पी. गर्ल्स एनसीसी बटालियन के अधिकारियों एवं स्टाफ के द्वारा सविता को बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की और कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम अनुशासन और समर्पित भाव का प्रतीक है।

## बिलासपुर जोन के डीआरएम ने निरीक्षण कर ली जानकारी

**शहडोल/बुढार। दोपहर मेट्रो**

बुढार नगर के एवं क्षेत्र के समाजसेवी नागरिक जनप्रतिनिधियों से रूबरू हुए बुढ़ार नगर परिषद की अध्यक्ष प्रथम नागरिक श्रीमती शालिनी सरावगी एवं भारतीय जनता पार्टी मंडल बुढार के अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि अर्जुन सोनी के नेतृत्व में एक प्रस्ताव बना कर के बिलासपुर जोन के डीआरएम राकेश रंजन को सौंपा। इसमें सर्वप्रथम शहडोल अमरकंटक नेशनल हाईवे पर रेलवे के द्वारा ओवर ब्रिज बनाया गया, जिसमें काफी गड्ढे हो गए हैं। रेलवे की खाली जमीन का निरीक्षण कर डीआरएम ने जानकारी ली। वही रिजर्वेशन काउंटर पूर्व में 6 घंटा निर्धारित कर दिया था जिसे मौखिक रूप से नगर परिषद के अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी जी के द्वारा डीआरएम को अवगत कराया गया जिसे उन्होंने अस्वस्थ करते हुए नगर के नागरिकों को यह कहा कि तत्काल इसकी सुविधा आपको मिलेगी जो कि अब 14 घंटे के लिए चालू कर दिया गया भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि अर्जुन सोनी के द्वारा बिलासपुर जोन के डीआरएम राकेश रंजन को अवगत कराया गया। बुढ़ार नगर में लगभग डेढ़ सौ गांव एवं दो नगर परिषद एक नगर पालिका क्षेत्र आता है जिसका इकलौते रेलवे स्टेशन बुढ़ार है जिसमे कई कमियां है। इस विषय उन्होंने बताया कि बुढ़ार नगर के प्लेटफार्म नंबर 1.2.3 में समुचित लाइट व्यवस्था न होने से आम नागरिकों को परेशानी होती है। वहीं प्लेटफार्म नंबर 1.2.3 के यात्री शेड विस्तार किया जाए जो बरसात एवं धूप में आम नागरिक काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता। दुर्ग निजामुद्दीन सप्ताहिक ट्रेन एवं दुर्ग उधमपुर द्वे ट्रेन को बुढ़ार मे ठहराव कई अनुमति दी जाय। वही बुढ़ार प्लेटफॉर्म 1.2.3 में कोच डिस्प्ले प्ले बोर्ड की आवश्यकता है उसे तत्काल लगवाने की व्यवस्था कराई जाए।

### भाजपा ने कुशाभाऊ ठाकरे और सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

**मंडीदीप। दोपहर मेट्रो**

भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी के पितृपुरुष कुशाभाऊ ठाकरे और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संगठन कौशल और जनसेवा के योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर** | **मेला प्रांगण में बांसुरी वादन, एकल गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति**

# स्वदेशी मेला बना देशभर के कलाकारों के लिए साझा मंच, कला और व्यापार का अनोखा संगम

**सागर। दोपहर मेट्रो**

पीटीसी मैदान में 13 दिवसीय स्वदेशी मेला में रविवार को लोगों की भीड़ उमड़ी। स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के माध्यम से यह मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला प्रांगण में कसक ग्रुप द्वारा कवि सम्मेलन की प्रस्तुति, बांसुरी वादक जयकिशन बैन की प्रस्तुति, एकल गायन, नृत्य की प्रस्तुति दी गई। स्वदेशी जागरण मंच के महाकौशल प्रांत संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि मेला में विभिन्न राज्यों के कलाकारों को एक ही मंच पर अपनी कला को निखारने और प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। यह मेला न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन दे रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रहा है। स्वदेशी मेला समाज और संस्कृति को एक नई दिशा देने का प्रयास है, जो कला, संस्कृति और व्यापार का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। मेला संयोजिका

दीप्ति चंदेरिया ने कहा स्वदेशी वस्तु की ठान लें तो विदेशी कंपनियां बाजार में स्थापित नहीं हो पाएंगी। स्वदेशी जागरण मंच के महाकौशल प्रांत विभाग संपर्क प्रमुख राजकुमार नामदेव ने बताया कि यह मेला सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि यह स्वदेशी और देश प्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास है। जिला संयोजक सौरभ रांधेलिया ने बताया कि प्रतिदिन शहर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियों को देखकर शहरवासी मंत्र मुग्ध हैं। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर शहरवासियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है।

### भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले गुड न्यूज

# मध्यमक्रम के बल्लेबाज श्रेयस चोट से उबरने के बाद फिर मैदानमें वापसी के लिए तैयार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

न्यूजीलैंड के साथ शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ी खुशखबरी मिली है। मध्यक्रम के बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर लंबे समय तक चली चोट से उबरने के बाद एक बार फिर पेशेवर क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज़ को 25 अक्टूबर से स्प्लीन (तिल्ली) की चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था। अब उम्मीद है कि वह विजय हज़ारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलते हुए नज़र आएंगे।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अय्यर आगामी भारत-न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज़ के लिए चयन की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं।श्रेयस अय्यर को यह चोट 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के दौरान लगी थी। थर्ड मैन बाउंड्री के पास एक कैच पकड़ने की कोशिश में वह पीछे की ओर दौड़ते हुए संतुलन खो बैठे और जोर से अपनी पसलियों के बल ज़मीन पर गिर पड़े।

हालांकि उन्होंने कैच पूरा कर लिया, लेकिन वह साफ तौर पर दर्द में दिखे और उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। बाद में मेडिकल जांच में अंदरूनी रक्तस्राव और स्प्लीन में चोट की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें अनिश्चितकाल के लिए क्रिकेट से बाहर कर दिया गया।

## विजय हजारे में कर सकते हैं वापसी

इसके बाद से अय्यर बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 30 वर्षीय अय्यर 3 जनवरी से शुरू होने वाली विजय हज़ारे ट्रॉफी में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए शार्दुल ठाकुर की अगुआई वाली मुंबई टीम में सीधे शामिल होंगे। यदि वह अंतिम फिटनेस टेस्ट पास कर लेते हैं, तो अय्यर 11 जनवरी से शुरू हो रही भारत-न्यूज़ीलैंड सीरीज़ के पहले वनडे के लिए भी चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। चोट के बाद से अय्यर भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज़ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से बाहर रहे थे। आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी उन्हें मैच फिटनेस और फॉर्म हासिल करने का अहम मौका देगी, खासकर तब जब भारत धीरे-धीरे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी की ओर बढ़ रहा है।

### गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच रहेंगे

## बीसीसीआई सचिव बोले- लक्ष्मण को कोच बनाने की खबर गलत

गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच बने रहेंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि टेस्ट टीम के नए कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से संपर्क किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं।

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट टीम के लीडरशिप ग्रुप में बदलाव को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। सैकिया ने कहा, यह खबर पूरी तरह तथ्यहीन है। कुछ प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान भी इसे चला रहे हैं, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

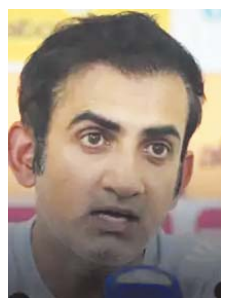

बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। यह सिर्फ कल्पना पर आधारित खबर है।

लक्ष्मण को कोच बनाए जाने की खबर हाल के दिनों में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि टेस्ट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद वीवीएस लक्ष्मण को अगला टेस्ट कोच बनाया जा सकता है। यह अटकलें ऐसे समय में सामने आईं, जब भारत को घर में साउथ अफ्रीका से 2-0 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

वनडे-टी-20 में भारत का प्रदर्शन मजबूत टेस्ट क्रिकेट में हालिया नाकामियों के उलट, सीमित ओवरों में टीम इंडिया का प्रदर्शन मजबूत रहा है। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप टी20 बिना कोई मैच हारे जीता। हालांकि टेस्ट में भारत ने उनके कार्यकाल में 7 मैच जीते, 10 हारे और 2 ड्रॉ खेले हैं। अगली चुनौती टी-20 वर्ल्ड कप आगे की बात करें तो फिलहाल भारत की सबसे बड़ी चुनौती टेस्ट नहीं, बल्कि टी-20 वर्ल्ड कप है। टीम अपने खिताब का बचाव करेगी। इस बार टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथ में होगी।

### चोरी ऊपर से सीना जोरी!

# भारत की नो हैंडशेक नीति से बिफरे मोहसिन नकवी बोले- हमारी भी इच्छा नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारतीय टीम हाथ मिलाने को तैयार नहीं है, तो पाकिस्तान को भी ऐसा करने की कोई खास इच्छा नहीं है। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने इस साल सितंबर में हुए पुरुष एशिया कप के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया है। यह स्थिति अप्रैल में हुए पहलगाम हमले के बाद बनी। इसके बाद अक्तूबर में महिला विश्व कप, इसी महीने हुए अंडर-19 पुरुष एशिया कप और दोहा में आयोजित राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भी दोनों टीमों के बीच हाथ मिलाने की परंपरा नहीं निभाई गई।

लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोहसिन नकवी ने कहा, हमारा विश्वास आज भी वही है। खुद प्रधानमंत्री ने मुझसे दो बार कहा है कि खेल में राजनीति नहीं आनी चाहिए। शुरू से ही हमारा रुख रहा है कि क्रिकेट और राजनीति अलग रहने चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अगर वे हाथ नहीं मिलाना चाहते, तो हमें भी इसकी कोई खास इच्छा नहीं है। भारत के साथ जो

## अंडर-19 एशिया कप फाइनल में तनाव

इस महीने हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल के दौरान भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच मैदान पर तनाव देखने को मिला। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज अली रजा द्वारा भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे को आउट करने के बाद दोनों के बीच बहस हुई। बाद में अली रज़ की भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ भी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। इन घटनाओं की पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने भारतीय अंडर-19 टीम पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि भारतीय खिलाड़ी जरूरत से ज्यादा भावुक हो रहे थे। सरफराज ने दावा किया कि भारतीय खिलाड़ियों के कुछ इशारे अनैतिक थे, जबकि उन्होंने अपने खिलाड़ियों को संयमित जश्न मनाने की सलाह दी थी।

## एशिया कप ट्रॉफी विवाद में भी घिरे नकवी

मोहसिन नकवी पुरुष एशिया कप फाइनल के बाद भी विवादों में आ गए थे। भारत की जीत के बावजूद मैदान पर ट्रॉफी नहीं सौंपी गई, जिससे भ्रम और आलोचना हुई। बताया गया कि भारतीय खिलाड़ियों ने कूटनीतिक कारणों से नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी ने बाद में सफाई दी कि वे एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर तय प्रोटोकॉल का पालन कर रहे थे।

# लॉरा का धमाका, चौके-छक्कों की बारिश, वर्ल्ड रिकॉर्ड की हो गई बराबरी

**मेलबर्न, एजेंसी**

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर लॉरा हैरिस ने वीमेंस सुपर स्मैश 2025-26 में एक शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला टी20 इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज़ अर्धशतक जड़ा। यह पारी उन्होंने एलेक्ज़ेंड्रा के मोलिनेक्स पार्क में ओटागो बनाम कैंटरबरी मुकाबले में खेली। हैरिस, जो वीमेंस प्रीमियर लीग के पहले दो संस्करणों में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा रही थीं, उस समय बल्लेबाज़ी के लिए आईं जब ओटागो की स्थिति दबाव में थी। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओटागो ने छह ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हैरिस ने बिना किसी हिचकिचाहट के कैंटरबरी के गेंदबाज़ों पर जबरदस्त हमला बोल दिया। हैरिस ने महज़ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर

लिया, जो महिला टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मारी केली ने 2022 में वार्विकशायर के लिए खेलते हुए बनाया था।

## 6 चौके और 4 छक्के

उनकी इस विस्फोटक पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल थे, जो उनकी दमदार हिटिंग क्षमता को साफ़ तौर पर दर्शाता है। हैरिस अंततः 17 गेंदों पर 52 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी इस पारी ने न सिर्फ ओटागो को जीत दिलाई, बल्कि उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिलाया। ओटागो ने लक्ष्य को 14।5 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया और मुकाबला छह विकेट से 31 गेंद शेष रहते जीत लिया। WPL में हैरिस ने 2022 के उद्घाटन संस्करण में केवल एक मैच खेला था, लेकिन उन्हें बल्लेबाज़ी का मौका नहीं मिला था।

### भगवान से यह मन्नत मांगना चाहते हैं नवजोत सिंह सिद्धू

# विराट कोहली की टेस्ट क्रिकेट में वापसी कराओ

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने कोहली की वापसी की इच्छा व्यक्त की है। सिद्धू ने कहा कि कोहली की वापसी पूरे देश को खुशी देगी। सिद्धू ने कोहली की बेजोड़ फिटनेस और दमदार व्यक्तित्व की सराहना की।

कोहली ने 12 मई 2025 को आधिकारिक तौर पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। कोहली के इस फैसले से सभी प्रशंसक हैरान रह गए थे। इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से सिद्धू ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में कोहली की उपस्थिति पूरे देश का मनोबल बढ़ाती थी और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 37 वर्षीय कोहली की शारीरिक क्षमता अभी भी उत्कृष्ट है जो उनसे

काफी कम उम्र के खिलाड़ी के बराबर है। सिद्धू ने लिखा, अगर भगवान मुझे एक वरदान देते तो मैं कहता कि कोहली को संन्यास से वापस लाकर टेस्ट क्रिकेट खिलाएं। इस देश के लिए इससे ज्यादा खुशी और उत्साह की बात और क्या हो सकती है! उनकी फिटनेस 20 साल के लड़के जैसी है, वे खुद 24 कैरेट सोने के समान हैं। कोहली टेस्ट से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय को भी अलविदा कह चुके हैं और वह अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। दो प्रारूप से संन्यास लेने के बावजूद कोहली के वनडे फॉर्म में गिरावट के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया में शुरुआती दो मैच में उनका बल्ला खामोश रहा। अंतरराष्ट्रीय करियर में ऐसा पहली बार हुआ जब कोहली लगातार दो मैचों में खाता नहीं खोल सके थे। हालांकि, इसके बाद कोहली ने जोरदार वापसी की।

## दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिखाया दम

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में कोहली ने कुल 302 रन बनाए, जिसमें दो शतकीय और एक अर्धशतकीय पारियां शामिल रहीं। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड के लिए नवाजा गया। विराट कोहली वनडे में 53 और ओवरऑल 84 शतक (एक टी20 अंतरराष्ट्रीय का जोड़कर) लगा चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी एक प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर से आगे निकल चुके हैं। सचिन के नाम वनडे में 49 शतक दर्ज हैं, जबकि कोहली के नाम 53 शतक हैं।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

### जब अक्षय खन्ना बोले- कुछ लोगों संग काम नहीं करना चाहिए

# एक तो पापा और दूसरे अमिताभ बच्चन

अक्षय खन्ना इस वक्त धुरंधर को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें रहमान डकैत के रोल के लिए उनकी तारीफ हो रही है। FA~LA गाने पर उनके डांस की भी काफी तारीफ हुई और लोगों ने जमकर रील्स बनाए। इसी बीच अक्षय दृश्यम 3 को छोड़ने को लेकर भी सुर्खियों में हैं, जिसके कारण फिल्म के प्रोड्यूसर एक्टर पर भड़के हुए हैं और लीगल नोटिस की बात कही है। इसी बीच अक्षय खन्ना का एक पुराना इंटरव्यू भी वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कभी भी अमिताभ बच्चन और पिता विनोद खन्ना का साथ काम न करने की बात कही थी। हालांकि, इसकी उन्होंने अपने मुताबिक, वाजिब वजह बताई थी।

## मेरे पापा की बराबरी करना मुश्किल

अक्षय खन्ना ने आगे कहा था, फिल्मी परदे पर मेरे पिता की बराबरी करना बहुत मुश्किल है। वो गुण या तो आपमें होता है या नहीं। सच कहूं तो, मुझमें वो गुण नहीं है। मुझमें वो अदा नहीं है। कुछ एक्टर्स ऐसे होते हैं जो पर्दे पर आपको मंत्रमुग्ध कर देते हैं, आपको स्क्रीन पर धो डालते हैं। मेरे पिता उनमें से एक हैं।

वैसे, अक्षय खन्ना ने साल 1997 में आई फिल्म हिमालय पुत्र में पिता विनोद खन्ना के साथ ही एक्टिंग की शुरुआत की थी। पर कई साल बाद एक्टर ने पिता विनोद खन्ना संग काम के एक्सपीरियंस को याद करते हुए एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि उनके संग काम करना एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था। यह साल 2008 की बात है। तब अक्षय ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में खुलकर बताया कि यह एक्सपीरियंस उन पर कितना भारी पड़ा था।

अक्षय खन्ना ने कहा था, कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके साथ काम नहीं करना चाहिए। मेरे पिता उनमें से एक हैं, और दूसरे अमिताभ बच्चन हैं। उनके साथ एक ही फ्रेम में आत्मविश्वास से खड़े होना असंभव है क्योंकि उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी इतनी प्रभावशाली है। अक्षय खन्ना ने पिता विनोद खन्ना की विरासत को कमतर आंकने के बजाय इस बात को स्वीकार किया था कि उनके पापा कितने प्रभावशाली थे और किस कदर उनका प्रभाव भी एकदम जबरदस्त था।

**भारतीय सिनेमा में जब भी किसी बड़े स्टार की नई फिल्म का ऐलान होता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इस कड़ी में इन दिनों रॉकिंग स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक-ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार फैंस के बीच छाया हुआ है, और अब मेकर्स ने फिल्म से अभिनेत्री हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है।**

## यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी, 'टॉक्सिक' का फर्स्ट लुक जारी

फिल्म में हुमा कुरैशी एलिजाबेथ के किरदार में हैं। इस किरदार के लुक को भी मेकर्स ने बारीकी से तैयार किया है। उनका फर्स्ट लुक बेहद रहस्यमय, गंभीर और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। फिल्म में हुमा की एंट्री को एक अहम मोड़ माना जा रहा है। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने कहा, एलिजाबेथ का किरदार निभाने के लिए सही अभिनेत्री का चयन करना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम था,

क्योंकि यह किरदार सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इसमें एक खास व्यक्तित्व, गहराई, और स्क्रीन पर मजबूत मौजूदगी की जरूरत है। हुमा कुरैशी के चयन को लेकर गीतू मोहनदास ने कहा, जैसे ही हुमा कैमरे के सामने आईं, मुझे उनमें कुछ अलग और खास लगा, जो इस किरदार के साथ पूरी तरह मेल खाता था। निर्देशक ने बताया, हुमा के अंदर एक स्वाभाविक ठहराव, शालीनता और तीव्रता है, जो एलिजाबेथ जैसे जटिल किरदार के लिए एकदम सही है। वह इस किरदार को बखूबी समझ रही हैं और बेहतर बनाने की भी कोशिश कर रही हैं।

## मेट्रो बाजार

# कॉरपोरेट आय में वृद्धि से 2026 में एफआईआई की होगी वापसी

**नई दिल्ली।** मजबूत जीडीपी वृद्धि दर और कॉरपोरेट आय में सुधार होने से 2026 में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय बाजार में बड़ी वापसी हो सकती है। यह जानकारी एनालिस्ट की ओर से शनिवार को दी गई। एफआईआई ने दिसंबर में 22,130 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में 1,58,407 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं, जो भारत में विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी बिकवाली है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि मजबूत आर्थिक आउटलुक और आय की स्पष्टता के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों के शेयरों की निकासी में कमी आने के संकेत मिल रहे हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा, ÷वर्ष 2025 के अंत तक, भारत में विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली एक नया रिकॉर्ड बनाने की राह पर है।÷ 2024 में, एफआईआई ने एक्सचेंजों के माध्यम से लगभग 1,21,210 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। हालांकि, वर्ष के लिए शुद्ध एफआईआई प्रवाह सकारात्मक रहा क्योंकि उन्होंने प्राथमिक बाजार के माध्यम से 1,21,637 करोड़ रुपए का निवेश किया था, लेकिन 2025 के लिए शुद्ध बिक्री का आंकड़ा बहुत बड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि एफआईआई द्वारा लगातार बिकवाली ने इस वर्ष रुपए के तेज गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और उन्होंने कहा कि मूलभूत कारकों में सुधार से 2026 में शुद्ध एफआईआई प्रवाह आकर्षित होने की संभावना है। विश्लेषकों ने कहा कि लगातार एफआईआई बिकवाली, उच्च व्यापार घाटे के साथ, 2025 में रुपए की गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# साल 2025 में रिकॉर्ड ऊंचाई से 30% गिरा बिटकॉइन, फिर भी क्रिप्टो मार्केट में उम्मीदें

**मुंबई।** इस वर्ष 2025 में बिटकॉइन की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली और यह अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर से लगभग 30 प्रतिशत नीचे आ गया है। कमजोर खरीद-बिक्री, तकनीकी कारणों और लंबे समय से बिटकॉइन रखने वाले निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण कीमतों पर दबाव बना रहा। हालांकि, कीमतों में गिरावट आई है, फिर भी लंबे समय के लिए बाजार को लेकर उम्मीद बनी हुई है। बेहतर नियम-कानून, बड़ी कंपनियों और संस्थानों की बढ़ती भागीदारी और ब्लॉकचेन तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से माना जा रहा है कि 2026 क्रिप्टो मार्केट के लिए वापसी का साल हो सकता है। साल 2025 में क्रिप्टो जगत में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस (डीईएफआई) प्लेटफॉर्म का विस्तार हुआ, स्टेबलकॉइन का भुगतान और लेन-देन में ज्यादा इस्तेमाल होने लगा और कई देशों ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के परीक्षण शुरू किए। डेवलपर्स की एक्टिविटी भी मजबूत बनी रही, खासकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र और अन्य देशों में। लाखों डेवलपर्स ब्लॉकचेन नेटवर्क पर नए ऐप्स और तकनीक बना रहे हैं। इन सभी बातों से यह साफ होता है कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों की ब्लॉकचेन तकनीक में रुचि बढ़ रही है। बिटकॉइन की कीमतों में कमजोरी के पीछे तकनीकी और बाजार से जुड़े कई कारण रहे। जब कीमत 365 दिनों के अहम औसत स्तर से नीचे गई, तो इससे और ज्यादा बिकवाली शुरू हो गई। कीमतों में गिरावट के बावजूद 2025 में क्रिप्टो बाजार से जुड़े कई बड़े फैसले भी हुए।

## गुरुप्रिया सेतु

### 'स्वाभिमान अंचल' के गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने का सेतु

ओडिशा के मलकानगिरी में सबसे दुर्गम और नक्सल प्रभावित इलाके में गुरुप्रिया सेतु को बनने में 30 साल का समय लग गया। यह पुल इसलिए खास है क्योंकि इससे छत्तीसगढ़ के साथ ही ओडिशा को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिली है। दशकों तक जल, जंगल और नक्सल हिंसा के बीच फंसे 'स्वाभिमान अंचल' के गांवों को आखिरकार मुख्यधारा से जोडने़ वाला यह सेतु आज विकास, सुरक्षा और उम्मीद का मजबूत प्रतीक बन चुका है। प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर यह स्थल पर्यटकों के लिए पर्यटन का मन पसंद जगह बनता जा रहा हैं। इस जलाशय का शैर करने के लिए छत्तीसगढ़ के अलावा आंध्र तेलंगाना से भी लोग यहां पहुंचते हैं। इस जलाशय में अनगिनत टापू पर्यटकों को आकर्षित करता हैं।

## न्यूज विंडो

### असम में गृहमंत्री, करोड़ों की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

**गुवाहाटी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज असम के एक दिन के दौरे पर पहुंचेंगे, जहां वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। अमित शाह पहले रविवार रात को अहमदाबाद से गुवाहाटी आने वाले थे, लेकिन कोहरे के कारण उनकी फ्लाइट उड़ान नहीं भर पाई और उनका दौरा सोमवार तक के लिए टाल दिया गया।

गृह मंत्री के असम दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे नागांव जिले के बोरदुवा में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटाद्रवा थान जाएंगे, जहां वे इस धार्मिक स्थल के 227 करोड़ रुपये के पुनर्विकास प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के तुरंत बाद गृह मंत्री बोरदुवा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

### कुत्तों से बच्चों को बचाने की कवायद तैनात किए जाएंगे नोडल अधिकारी

**औरैया।** आवारा कुत्तों के आतंक को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित करने के लिए टूटी चाहरदीवारी, खुले परिसर वाले विद्यालयों को चिह्नित किया जा रहा है। शासन से मिले निर्देशों के बाद जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि मान्यता प्राप्त व राजकीय स्कूलों में उन्हें चिह्नित किया जाए, जहां सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। ऐसे स्कूलों की सूची एक सप्ताह में दी जाए।विद्यालय स्तर पर नोडल अधिकारी बनाने के निर्देशों पर कार्य शुरू हो गया है। अजीतमल विकास खंड के अंतर्गत 185 विद्यालयों में नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। इसी प्रकार औरैया सदर नगर व ग्रामीण क्षेत्र, भाग्यनगर, बिधूना, अछल्दा, सहार, ऐरवाकटरा आदि क्षेत्रों के स्कूलों को लेकर कार्य शुरू करा दिया गया है।कुल 1265 परिषदीय स्कूल हैं। इसमें कंपोजिट व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 453 है। शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को हटाकर अध्यापकों की संख्या 1265 है। समस्त मान्यता प्राप्त व सरकारी स्कूलों को निर्देश जारी किए गए हैं कि आवारा कुत्तों से होने वाली घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए जाए। किसी भी सूरत में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नहीं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी संजीव कुमार ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए समस्त खंड शिक्षाधिकारियों को सजग किया। स्कूलों का निरीक्षण करते हुए बिना बाउंड्रीवॉल असुरक्षित विद्यालयों को चिह्नित करते हुए ब्लॉकवार सूची मुख्यालय कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया।

### खाटू श्याम जा रहे रेवाड़ी के चार युवकों को ट्रक ने रौंदा, दो की मौत

**रेवाड़ी।** दिल्ली- जयपुर हाईवे पर ओढ़ी गांव के समय रॉन्ग साइड आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से इको गाड़ी की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक ही गांव के दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक गाड़ी सवार सभी युवक राजस्थान के सीकर स्थित खाटू श्याम जी के दर्शन करने जा रहे थे। सूचना के बाद मौके पर पहुंची बावल थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रेवाड़ी के गांव कालाका के रहने वाले करीब 30 वर्षीय पवन, 25 वर्षीय प्रवीण व विक्रम एक अन्य साथी के साथ इको कार में सवार होकर रात को खाटू श्याम जी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। दिल्ली जयपुर हाईवे पर ओढ़ी गांव के समीप सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक से एक गाड़ी की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची बावल थाना पुलिस ने चारों घायलों को रेवाड़ी के अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने पवन व प्रवीण को मृत घोषित कर दिया ! जबकि विक्रम की गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया है ! हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया ! पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

## नगर निगम चुनाव के लिए 'घड़ी' और 'तुतारी' फिर एकसाथ

# परिवार हुआ साथ...शरद-अजित पवार में हुआ गठबंधन

**पुणे, एजेंसी**

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए अपनी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) गुट के बीच गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव के लिए 'घड़ी' और 'तुतारी' एकसाथ आ गए हैं।

अजित पवार पिंपरी-चिंचवाड़ में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- नगर निगम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची तय करते समय दोनों गुटों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे एक बार फिर परिवार एकजुट हो गया है। अजित पवार ने कहा- गठबंधन को लेकर लोगों के मन में सवाल हो सकते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के विकास के हित के लिए कई बार ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं। अजित पवार ने कहा- दोनों पक्षों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा हो चुकी है और इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार एनसीपी के कई विधायकों के साथ पार्टी से अलग हो गए थे। इससे एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई। शरद पवार से अलग होकर अजित महाराष्ट्र की भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हुए और डिप्टी CM बने थे।

### पवार ने कार्यकर्ताओं से की अपील -बयानबाजी से बचे

अजित पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रचार में पूरी मेहनत करने और रैलियों के दौरान किसी भी तरह के विवादित बयान देने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी एनसीपी विकास के लिए काम करती है और पार्टी उन लोगों को बाहर करेगी, जिन्होंने नगर निगम को कर्ज में डालने की कोशिश की। शरद और अजित के एनसीपी गुट पुणे नगर निगम चुनाव में भी साथ लड़ेंगे। एनसीपी(शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अंकुश काकड़े ने गठबंधन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर अभी चर्चा नहीं हुई है और कांग्रेस-शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ बातचीत के बाद चारों दल मिलकर फैसला करेंगे।

### बीएमसी चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी, किरीट सोमैया के बेटे को भी मिला टिकट

बीएमसी चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कुल 66 नाम हैं। इनमें दिग्गज नेता किरीट सोमैया के बेटे नील सोमैया का नाम भी शामिल है। नील को मुलुंड पश्चिम में बीएमसी के वॉर्ड 107 से बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के लिए शिवसेना के साथ अधिकतर सीटों पर गठबंधन बरकरार रखा है। वहीं, अजित पवार अलग होकर चुनाव लड़ रहे हैं। कुछ सीटों पर उन्होंने शरद पवार गुट के साथ गठबंधन भी किया है।

### टिकट बंटवारे पर कई दलों में बवाल

बीजेपी से पहले अजित पवार की एनसीपी भी अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुकी है। एनसीपी में मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट मिलने पर बवाल हो रहा है। कई कार्यकर्ता नवाब मलिक से नाराज हैं। एनसीपी की लिस्ट में ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट मिलने से उनके अंदर नाराजगी है। वहीं, बीजेपी के भी कई कार्यकर्ता नाराज हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन के चलते कल्याण ईस्ट में गठबंधन में बीजेपी को सिर्फ सात सीटें दी गई हैं। इससे कार्यकर्ता नाराज हैं। वहीं, अजित पवार ने पिंपरी चिंचवड़ महानगर निगम चुनाव के लिए शरद पवार गुट के साथ गठबंधन करने के बाद प्रचार भी शुरू कर दिया है।

### ताइवान पर दबाव बनाने की तैयारी में चीन, सीमा पर कर रहा सैन्य अभ्यास

**हांगकांग, एजेंसी।** फाइटर जेट, ड्रोन और रॉकेट, आसमान से समुद्र तक चीन ने दिखाई ताकत, ताइवान को निगलने की तैयारी में ड्रैगन !

चीन ने आज से ताइवान जलडमरूमध्य के बीचोंबीच बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। यह ड्रिल ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ने ताइवान को रिकॉर्ड हथियार पैकेज मंजूर किया है और ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच कूटनीतिक तनाव भी तेज हो गया है। चीनी सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने लड़ाकू विमान, बमवर्षक, ड्रोन और लंबी दूरी की रॉकेट फायरिंग के साथ संयुक्त अभ्यास किया। रिपोर्ट के अनुसार यह सैन्य अभ्यास ताइवान जलडमरूमध्य के मध्य क्षेत्र के समुद्री और हवाई हिस्सों में किया जा रहा है।

इस अभ्यास का मुख्य फोकस जमीन पर चलने वाले मोबाइल लक्ष्यों पर सटीक हमले की क्षमता को परखना है। चीन का कहना है कि इस ड्रिल के जरिए सैनिकों की प्रिसिजन स्ट्राइक और अहम ठिकानों पर तेजी से हमला करने की तैयारी को जांचा जा रहा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और लंबे समय से कहता रहा है कि वह उसे मुख्य भूमि में शामिल करेगा। बीते कुछ वर्षों में ताइवान को लेकर चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ी हैं। इस ताजा अभ्यास को भी उसी कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। यह ड्रिल ऐसे वक्त में शुरू हुई है जब अमेरिका ने ताइवान को 11।1 अरब डॉलर का हथियार पैकेज देने की मंजूरी दी है। अगर यह सौदा अमेरिकी कांग्रेस से पास हो जाता है तो यह अब तक का सबसे बड़ा अमेरिकी हथियार सौदा होगा। चीन ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि अमेरिका ताइवान को उकसाकर इलाके को बारूद के ढेर में बदलना चाहता है।

## कैफे में छात्रा की बर्थडे पार्टी में किया था हमला...

# भीड़ ने 'लव जिहाद' के आरोप में पीटा बजरंग दल के 2 लोगों पर एफआईआर

**बरेली, एजेंसी।** बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के राजेंद्रनगर स्थित दि डेन कैफे एंड रेस्टो में बर्थ डे पार्टी के दौरान हंगामा, मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक शैलेंद्र गंगवार की तहरीर पर बजरंग दल कार्यकर्ता सुभाषनगर निवासी ऋषभ ठाकुर और भास्कर अस्पताल के पास रहने वाले दीपक पाठक समेत 20-25 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

कैफे में हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में प्रेमनगर थानाध्यक्ष की भूमिका की जांच उच्चाधिकारी कर रहे हैं। नर्सिंग की एक छात्रा शाम अपने सहपाठियों के साथ रेस्टोरेंट में बर्थ डे मनाने आई थी। छात्रा के अनुसार, उसके साथ छह युवतियां और चार युवक थे। चार युवकों में से दो शान और वाकिफ भी शामिल थे। हिंदू युवती के साथ दूसरे समुदाय के युवकों की मौजूदगी की सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए।

अनर्गल आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। नारेबाजी करते हुए कैफे में घुस गए। वहां मौजूद लोगों से अभद्रता और तोड़फोड़ करने लगे। आरोप है कि 'लव जिहाद' का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने मेहमानों की पिटाई भी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शान, वाकिफ और शैलेंद्र को हिरासत में ले लिया। उनके खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई की। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने जांच की तो सामने आया कि युवती बालिग है और अपनी मर्जी से दोस्तों के साथ पार्टी में शामिल थी। युवती के परिजनों को भी थाने बुलाकर बयान दर्ज किए गए। इसके बाद रेस्टोरेंट संचालक की ओर से रिपोर्ट दर्ज करा गई है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। पूरे मामले में प्रेमनगर थानाध्यक्ष राजबली सिंह की भूमिका की जांच की जा रही है।

## तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले की घटना, नाबालिगों ने दिया वारदात को अंजाम

# मप्र के मजदूर से बर्बरता, पिटाई कर वीडियो बनाया

**तिरुवल्लूर, एजेंसी**

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मध्य प्रदेश से रोजी-रोटी कमाने आए एक प्रवासी मजदूर पर चार नाबालिगों ने बेरहमी से हमला कर दिया। इस हमले में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है और अस्पताल में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा है। पीड़ित मजदूर की पहचान सिराज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक चलती ट्रेन में सफर कर रहा था, तभी चार नाबालिगों ने उसे घेर लिया। उनके हाथों में धारदार हथियार थे। पहले उसे डराया-धमकाया गया और इस पूरी हरकत का वीडियो भी बनाया गया। डर का यह खेल जल्द ही हिंसा में बदल गया।

इसके बाद सिराज को जबरन रेलवे स्टेशन के पास एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहां उस पर कई बार हमला किया गया। हमलावरों ने इस अमानवीय कृत्य को भी मोबाइल में रिकॉर्ड किया। हैरानी की बात यह है कि हमले के बाद एक नाबालिग वीडियो में जीत का इशारा करता नजर आता है।

### जांच में जुटी पुलिस, की जा रही आरोपियों की पहचान

**दूसरी** ओर पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान की जा रही है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। यह घटना न सिर्फ कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि समाज की संवेदनाओं को भी झकझोर देती है।

## मेट्रो एंकर

## देश में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का दौर जारी, जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

# MP में शून्य के करीब पहुंचा पारा, कड़ाके की ठंड से कांपा उत्तर भारत

**नई दिल्ली, एजेंसी**

देश में इस समय कड़ाके की ठंड और शीतलहर का दौर जारी है। पहाड़ों में तापमान की भारी गिरावट के चलते मैदानी इलाकों में हाड़ कपाने वाली ठंड ने लोगों का जीवन मुश्किल में डाल दिया है। वहीं मध्य प्रदेश के मंदसौर में तापमान 2.5 डिग्री दर्ज किया गया। दावा किया जा रहा है कि शून्य तक पारा पहुंच जाएगा। इससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आज राजधानी दिल्ली की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। कोहरे की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी घटकर सिर्फ 50 मीटर रह गई है। इससे फ्लाइट ऑपरेशन्स प्रभावित हो रहे हैं।

**यूपी से लेकर पंजाब तक ठिठुरे लोग :** उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में सोमवार की सुबह घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के साथ हुई। यूपी के आगरा, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, फिरोजाबाद, शामली, मेरठ, गोरखपुर सहित कई जिले कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 37 जिले अत्यंत घने कोहरा का अलर्ट जारी किया है।

### बिहार के 25 राज्य में 'कोल्ड डे'

सोमवार को बिहार के अधिकांश भाग घने कोहरे की चपेट में रहेंगे। पटना सहित राज्य के 25 जिलों में घने कोहरा छाए रहने के साथ 'कोल्ड डे' जैसी स्थिति बनी रहेगी। रविवार को जहानाबाद में भीषण ष्टश्चस्र छ्व4 और अररिया के फारबिसगंज, गयाजी, बक्सर, औरंगाबाद और अरवल में कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। वहीं राजस्थान के भी कई शहरों में सोमवार को तापमान सिंगल डिजिट में रहा। उधर, उत्तराखंड में ऊपरी इलाकों में मौसम विभाग ने बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। इस चलते जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में तापमान 2 डिग्री तक गिर गया।

आज सुबह पंजाब में सबसे कम तापमान एसबीएस नगर के बल्लोवाल सोनखड़ी में देखने को मिला। यहां न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि अमृतसर में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री, लुधियाना में 5.6 डिग्री, पटियाला में 6.4 डिग्री, बठिंडा में 4.2 डिग्री, फरीदकोट में 4.9 डिग्री और गुरदासपुर में 4.3 डिग्री दर्ज किया गया है।

**झारखंड में 0.9 डिग्री तक लुढका पारा :** हरियाणा के रेवाड़ी जिले में सुबह एक बार फिर घने कोहरे के साथ हुई। दृश्यता इतनी कम है कि दस से 15 मीटर की दूरी पर भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक मैक्लुस्कीगंज में रविवार को कड़ाके की ठंड ने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह बदल दिया। यहां सुबह 5.30 बजे न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे पूरा क्षेत्र शीतलहर की चपेट में आ गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564